सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

पेज 7 में ⏩ द ब्लफ से पहले बर्फी से लेकर मैरी.....

वर्ष -01 | अंक- 04 | दुर्ग, रविवार 18 जनवरी 2026 | पृष्ठ- 08 | मूल्य- 2 रुपए | संपादक- अलोक तिवारी | PRGI Reg No : CTHIN/25/A3746

न्यूज Window

महाराष्ट्र निकाय चुनाव : हार के बाद ईवीएम पर सवाल, नाना पटोले बोले- बैलेट पेपर का होना चाहिए इस्तेमाल

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस ने मांग उठाई है कि राज्य में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव बैलेट पेपर पर कराए जाएं। कांग्रेस के नेता नाना पटोले ने इस संबंध में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने ईवीएम को लेकर भी सवाल उठाए हैं। नाना पटोले ने कहा कि ईवीएम से भरोसा उठ गया है। नगर निगम चुनावों में हुई गड़बड़ी की वजह से चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा कम हुआ है। वीवीपैट का इस्तेमाल न होना पारदर्शिता पर सवाल उठाता है। यह चुनावी उदासीनता नहीं, बल्कि प्रशासनिक अक्षमता है। उन्होंने चिट्ठी में कहा है कि लोकतंत्र को बचाने के लिए बैलेट पेपर का इस्तेमाल फिर से शुरू किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने चिट्ठी में लिखा, 29 नगर निगमों के चुनावों ने महाराष्ट्र में चुनावी सिस्टम की पोल पूरी तरह से खोल दी है। शहरी इलाकों में बहुत कम मतदान प्रतिशत सिर्फ वोटर की बेपरवाही की निशानी नहीं है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में जनता के कम होते भरोसे की भी निशानी है। सबसे गंभीर बात यह है कि इन चुनावों में वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसलिए, मतदाता से अपना वोट वेरिफाई करने का अधिकार छीन लिया गया। इसके अलावा, मीडिया में सैकड़ों वीडियो और असली उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें दिखाया गया है कि वोटरों की उंगलियों पर लगी स्याही हाथ धोने के बाद आसानी से उतर जाती है। इन सब वजहों से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठे हैं।

अमेरिका में भारतीयों को बड़ी राहत, बिना नोटिस हिरासत में लिए गए 3 नागरिकों को रिहा करने का आदेश

वॉशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अमेरिकी फेडरल जजों ने प्रवासी अधिकारियों को तीन भारतीय नागरिकों को रिहा करने का आदेश दिया है। दरअसल, कोर्ट का कहना है कि इन प्रवासी भारतीय नागरिकों को पहले अमेरिका में रहने की इजाजत दी गई थी और फिर बिना सुनवाई या सही नोटिस के हिरासत में लिया गया।

इस हफ्ते कैलिफोर्निया के पूर्वी और दक्षिणी जिले में अलग-अलग मामलों में कोर्ट की तरफ से ये फैसले जारी किए गए हैं। हर मामले में, कोर्ट ने पाया कि प्रवासी और कानून प्रवर्तन ने इन लोगों को दोबारा गिरफ्तार करने से पहले बेसिक प्रक्रिया की जरूरतों को पूरा नहीं किया। बता दें, अमेरिका में ट्रंप की वापसी के बाद से इमिग्रेशन नीति में कई बड़े बदलाव कर कानून सख्त कर दिए गए हैं। इसी के तहत अमेरिका में रह रहे प्रवासियों की कड़ी जांच की जा रही है। कोर्ट की तरफ से जिन तीन भारतीय नागरिकों के पक्ष में फैसला सुनाया है, उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने पहले रिहा कर दिया था और बाद में फिर से उन्हें हिरासत में लिया गया। पहले मामले में, अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज ट्रॉय एल ननली ने 21 साल के हरमीत एस को रिहा करने का आदेश दिया, जो अगस्त 2022 में अमेरिका गए थे। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि हरमीत को फेडरल चाइल्ड प्रोटेक्शन कानूनों के तहत नाबालिग होने पर रिहा किया गया था। उसका इमिग्रेशन केस अभी भी पेंडिंग है। बाद में उसने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी द्वारा चलाए जा रहे एक अल्टरनेटिव-टू-डिटेंशन प्रोग्राम में एनरोल किया।

ब्रिटेन के गुरुद्वारा साहिब में मांस फेंकने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे, संसद में गूंजा था मामला

लंदन/वेस्ट ब्रॉमविच। ब्रिटेन के वेस्ट ब्रॉमविच स्थित गुरु नानक गुरुद्वारा साहिब की पवित्रता भंग करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 42 वर्षीय टॉमाज ब्रूच को गुरुद्वारे के बाहर जानबूझकर कच्चा मांस फेंकने के आरोप में चार्ज किया है। पुलिस ने इसे 'हेट क्राइम' (घृणा अपराध) मानते हुए कार्रवाई की है। खास बात यह है कि पुलिस की यह तत्परता तब देखने को मिली जब स्थानीय लेबर सांसद सारा कूम्ब्स ने इस संवेदनशील मुद्दे को ब्रिटेन की संसद में जोर-शोर से उठाया।

कर्मा पर्व प्रकृति से जुड़ाव और सामूहिक आनंद का उत्सव है: मुख्यमंत्री साय

कर्मा महोत्सव में लोक कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

नगर पंचायत भटगांव के विकास के लिए एक करोड़ रुपए की घोषणा

रायपुर (नई दृष्टिबिंदु)। कर्मा महोत्सव को छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन लोक पर्वों को सहेजने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कर्मा पर्व प्रकृति से जुड़ाव, आपसी भाईचारा और सामूहिक आनंद का उत्सव है। उक्त आशय के विचार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सूरजपुर जिले के चुनगुड़ी में आयोजित कर्मा महोत्सव में व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 172.51 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने चुनगुड़ी के स्कूल मैदान को मिनी स्टेडियम के रूप में विकसित करने तथा नगर पंचायत भटगांव के विकास हेतु एक करोड़ रुपये की घोषणा की। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने भी सम्बोधित किया। परंपरा, संस्कृति और उल्लास से परिपूर्ण कर्मा महोत्सव में मांदर की थाप और घुंघरुओं की झंकार के बीच पूरा क्षेत्र कर्मा नृत्य की लय में थिरक उठा। सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया एवं मनेंद्रगढ़ जिलों से आए 33 कर्मा दलों के लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में कर्मा नृत्य प्रस्तुत कर सबको लोक संस्कृति के रंगों से भर दिया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगायी गई प्रदर्शनी के स्टॉलों का निरीक्षण कर नाव-जाल एवं आइस बॉक्स, आयुष्मान कार्ड, छत्तीसगढ़ महिला कोष से ऋण वितरण और महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित छह रेडी-टू-ईट ईकाइयों का शुभारंभ किया।

नई दृष्टिबिंदु परिवार को मिला श्री पार्श्वनाथ प्रभु का आशीर्वाद

दुर्ग। विश्वविख्यात जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महाप्रभाविक श्री पार्श्वनाथ प्रभु की साधना स्थली तपोभूमि श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा के मांगलिक प्रांगण पर सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का गरिमापूर्ण विमोचन किया गया। विमोचन समारोह में सचिव संतोष कुमार यादव, जितेन्द्र देशमुख -व्यवस्था प्रभारी, डा दानेश्वर टंडन -मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा आदित्य उपाध्याय - चिकित्सा अधिकारी आरोग्यम् नगपुरा, नई दृष्टिबिंदु के प्रधान संपादक आलोक तिवारी ब्रांच मैनेजर आनंद सिंह, विशेष संवाददाता संदीप सिंह आदि उपस्थित थे।

संगठन पर्व के निर्णायक चरण में प्रवेश

भाजपा को मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

19 जनवरी को नामांकन और 20 को फैसला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व-2024 के तहत अब पार्टी अपने अंतिम और अहम चरण में प्रवेश कर चुकी है। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया भाजपा के केंद्रीय कार्यालय, 6-ए दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली में संपन्न होगी।

सोमवार 19 जनवरी 2026

नामांकन प्रक्रिया - दोपहर 2:00 से 4:00 बजे

नामांकन पत्रों की जांच - सायं 4:00 से 5:00 बजे

नामांकन वापसी ङ्क सायं 5:00 से 6:00 बजे

राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी का प्रेस वक्तव्य सायं 6:30 बजे मंगलवार

20 जनवरी 2026

आधिकारिक घोषणा / मतदान (यदि आवश्यक हुआ) प्रात: 11:30 से 1:30 बजे तक

केंद्रीय कार्यालय में होगा पूरा आयोजन

पूरी निर्वाचन प्रक्रिया भाजपा के केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में संपन्न होगी।यदि एक से अधिक नामांकन सामने आते हैं तो मतदान की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी, अन्यथा निर्विरोध चयन की घोषणा की जाएगी।संगठन पर्व का अहम पड़ाव वो भाजपा के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव आगामी चुनावी रणनीति, संगठनात्मक विस्तार और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। इस कारण पूरे देश की निगाहें 19 और 20 जनवरी पर टिकी हुई हैं।

पीएम-सेतु योजना से देश के 1,000 सरकारी आईटीआई होंगे आधुनिक

युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार

नई दिल्ली। पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) योजना के तहत देशभर में 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यानी आईटीआई को आधुनिक बनाया जाएगा। यह घोषणा शनिवार को कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा की गई। मंत्रालय के अनुसार, इस पहल के तहत हब-एंड-स्पोक अप्रोच अपनाया जाएगा, जिसके तहत 200 आईटीआई को हब बनाया जाएगा, जहां उन्नत मशीनें, आधुनिक इमारतें और नई तकनीक से प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, 800 आईटीआई को स्पोक के रूप में जोड़ा जाएगा, ताकि जिलों तक प्रशिक्षण की सुविधा पहुंच सके।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ा रहा है। योजना की शुरुआत के तहत पुणे में एक बड़ा उद्योग परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य उद्योगों को योजना से जोड़ना और उन्हें इसके कार्यान्वयन में भागीदार बनाना है।

एलिवेटेड कॉरिडोर का किया भूमिपूजन

'भाजपा पूरे देश में लोगों की पहली पसंद'- पीएम मोदी

■ गुवाहाटी (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रविवार को ?6,957 करोड़ के काजीरंगा नेशनल पार्क में 35 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

जनसभा को भी संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा आज फिर काजीरंगा आने का सौभाग्य मिला है। ऐसे में मुझे अपनी पिछली यात्रा याद आना बहुत स्वाभाविक है। दो वर्ष पहले काजीरंगा में बिताए गए पल मेरे जीवन के बहुत खास अनुभवों में शामिल हैं। मुझे काजीरंगा नेशनल पार्क में रात्रि विश्राम का अवसर मिला था और अगले दिन एलिफेंट सफारी के दौरान मैंने इस क्षेत्र की सुंदरता को बहुत करीब से महसूस किया था। मुझे हमेशा असम आकर एक अलग ही खुशी मिलती है। उन्होंने कहा 'मैं पूरे देश के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को बधाई देता हूं। कल से मैं देख रहा हूं कि बोड़ो परंपरा का यह शानदार नृत्य सोशल मीडिया पर कितना लोकप्रिय हो गया है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ युवा कलाकारों को देखा, जो उनके हाथ से बनाए गए चित्र और स्केच दिखा रहे थे। पीएम मोदी ने यह देखकर अपनी बात रोक दी और कहा- 'यहां कुछ दोस्त चित्र लेकर आए हैं और ऐसे खड़े हैं, उन्हें थकान होगी। कृपया इन्हें भेज दें; मैं अब इन्हें ले लूंगा। अगर पीछे आपका पता लिखा है, तो मेरा पत्र जरूर आप तक पहुंचेगा।

संबोधन दोबारा शुरू करते हुए कहा 'आज भाजपा पूरे देश में लोगों की पहली पसंद बन गई है। बीते एक-डेढ़ वर्षों से भाजपा पर देश का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में बिहार में चुनाव हुए, वहां 20 वर्ष बाद भी जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड वोट दिए हैं और रिकॉर्ड सीटें जिताई हैं। दो दिन पहले ही महाराष्ट्र के बड़े शहरों में मेयर और पार्षदों के चुनाव परिणाम आए हैं। वहां की जनता ने पहली बार भाजपा को रिकॉर्ड जनादेश दिया है। केरल के नगर निगम चुनावों में भी लोगों ने भाजपा का भरपूर समर्थन किया और तिरुवनंतपुरम में पहली बार बीजेपी का मेयर बना। बीते कुछ दशकों में जो नतीजे आए हैं, उसका जनादेश स्पष्ट है कि आज देश गुड गवर्नेंस और विकास चाहता है।'

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा 'कांग्रेस का जन्म मुंबई में हुआ था, लेकिन आज शहर में कांग्रेस चौथे-पांचवें स्थान पर खड़ी है। देश का विश्वास कांग्रेस पर नहीं है क्योंकि इसके पास कोई विकास एजेंडा नहीं है।'

'काजीरंगा केवल एक नेशनल पार्क नहीं है। यह असम की आत्मा है। ये भारत की बायो-डायवर्सिटी का एक अनमोल रत्न भी है। यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा दिया है। काजीरंगा और यहां के वन्य जीवों के बचाना केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं है, बल्कि यह असम की आने वाली पीढ़ी के भविष्य का भी दायित्व भी है।

'हर साल जब ब्रह्मपुत्र का जलस्तर बढ़ता है तो यहां के वन्यजीव ऊंचे इलाकों की ओर निकलते है। गैंडे, हाथी सड़क के किनारे फंस जाते है। इसलिए यहां 90 किमी लंबा कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।'

'दशकों तक यहां के लोगों को महसूस होता रहा कि देश का विकास कहीं और हो रहा है और वे पीछे छूट रहे हैं। इस भावना को बदलने का का काम हमने किया। नॉर्थ इंडिया के विकास के अपनी प्राथमिकता बनाया। नॉर्थ ईस्ट के रेल कनेक्टिविटी बहुत महत्वपूर्ण थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। हमने यहां रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाया।'

काजीरंगा भारत की जैव विविधता का एक अनमोल रत्न है।

मातृभाषाओं के संवाद से सुदृढ़ होगी राष्ट्रीय एकता : डॉ. युद्धिष्ठिर महाराज

कोसमी

आईएसबीएम विश्वविद्यालय, नवापारा (कोसमी) में राष्ट्रीय सिंधी विकास परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विशेष सहयोग से हिन्दी विभाग, कला एवं मानविकी संकाय द्वारा ÷सिंधी एवं छत्तीसगढ़ी : भाषा एवं संस्कृति का आदान-प्रदान÷ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन शनिवार को किया गया। इस संगोष्ठी में भारतीय भाषाओं की साझा सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराओं और भाषायी संवाद पर चर्चा-परिचर्चा की गई। विद्यार्थी बुक डिपो एवं जनरल स्टोर्स, भिलाई 3, और सागर इंटरप्राइजेस, छुरा का इस कार्यक्रम के लिए विशेष सहयोग किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता शदाणी दरबार के पीठाधीश्वर संत युधिष्ठिर लाल जी महाराज ने अपने उद्बोधन में भारतीय भाषाओं की आत्मिक एकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, मूल्य और जीवन-दृष्टि की संवाहक होती है। उन्होंने मातृभाषाओं के प्रति कम होती मोह को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सिंधी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं की लोकचेतना, परंपरा और सांस्कृतिक साम्य को रेखांकित किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के हिन्दी आचार्य एवं प्रख्यात भाषाविद् डॉ. गिरिजाशंकर गौतम ने दोनों भाषाओं के ऐतिहासिक, साहित्यिक और भाषावैज्ञानिक पक्षों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन और आपसी संवाद से भारतीय भाषिक परंपरा और अधिक समृद्ध होती है।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. जे. सी. अजवानी ने भाषा और संस्कृति के मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर अपने विचार साझा किए तथा भाषायी पहचान को जीवन एवं संस्कृति से से जोड़ा।इस अवसर पर छात्रों और शोधार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद महलवार ने कहा कि सिंधी और छत्तीसगढ़ी जैसी भारतीय भाषाएँ राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और आपसी संवाद से ही सांस्कृतिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण संभव है। कुलसचिव डॉ बीपी भोल ने कहा कि संस्कृतियों को ज़िंदा रखने में लोक भाषाओं का बहुत योगदान है। लोकभाषाएँ हमें जीवन और परम्परा से जोड़ती हैं। शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ एन कुमार स्वामी ने सिंधी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं के सांस्कृतिक पक्ष की ओर ध्यान दिलाया।छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शुभाशीष बिस्वास के सतत प्रयासों और प्रभावी समन्वय से आयोजन को आवश्यक सहयोग एवं व्यवस्थागत सुदृढ़ता प्राप्त हुई। संगोष्ठी में शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।मालूम हो कि प्रथम सत्र में डॉ. पूनम वर्मा, डॉ मुमताज परवीन और डॉ अश्वनी कुमार साहू ने अपना संबोधन दिया।संगोष्ठी का संयोजन कला एवं मानविकी संकाय के अध्यक्ष एवं हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिवाकर तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सुकृति पाठक ने किया। आयोजन को सफल बनाने में संकाय के सभी सदस्यों—डॉ. अश्वनी कुमार साहू, डॉ. पद्मलोचन राउत, डॉ. जब्बार अहमद, डॉ. मुमताज परवीन, डॉ. संध्या बिसेन, कृष्ण कुमार, मोहित राम चेलक, अशोक साहू, रमेश कुमार नायक, सुश्री भमाती साहू एवं सुश्री कविता साहू—सहित विश्वविद्यालय के अन्य संकायों के शिक्षकों का सक्रिय सहयोग रहा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह राष्ट्रीय संगोष्ठी भाषायी अध्ययन, सांस्कृतिक विमर्श और अंतर-क्षेत्रीय संवाद को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक पहल सिद्ध हुई।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिला पंचायत रायपुर का किया निरीक्षण

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने 25 लाख रुपए से जिला पंचायत के नवीनीकरण कार्यों की घोषणा की, प्रत्येक जिला पंचायत सदस्य अपने क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित आवासों का करें निरीक्षण- उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बीते शनिवार को जिला पंचायत रायपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिला पंचायत के विभिन्न कक्षों में जाकर उनका अवलोकन किया। निरीक्षण उपरांत जिला पंचायत सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने वार्डवार विकास कार्यों की स्थिति पर भी जिला पंचायत सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को जनता के बीच जाकर महतारी सदन के निर्माण एवं वीबी जी राम जी अधिनियम के लाभों के प्रति जागरूक करने को कहा। जनप्रतिनिधियों द्वारा जिला पंचायत की क्षमता विकास एवं कक्षों के नवीनीकरण की मांग पर उपमुख्यमंत्री द्वारा 25 लाख रुपए से नवीनीकरण कार्य कराने की घोषणा की। उन्होंने जिला पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि कोई विकास कार्य किसी क्षेत्र में प्रारम्भ होना है तो उसका निर्माण स्थल पर जाकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से भूमिपूजन अवश्य कराया जाए। जिससे जनता को विकास कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने प्रत्येक जिला पंचायत सदस्य को अपने क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति का अवलोकन करने एवं निर्मित आवासों को प्राप्त सुविधाओं को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, समस्त जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

आशीष छाबड़ा शामिल हुए कबीर सत्संग में

बेमेतरा

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जेवरी एवं तेलईकूड़ा में आयोजित कबीर सत्संग कार्यक्रम में शामिल हुए कार्यक्रम में कबीर समाज के गुरु गोसाई दिलीप साहब के द्वारा धर्म जन को कबीर से संबंधित उनके अमृतवाणियों को सार बताया गया कार्यक्रम में भाग लेते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि संत कबीर दास की दिए हुए अनमोल वचन आज मानव समाज का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं कबीर साहेब के बताएं आदर्शों पर चलकर ही हम अपने जीवन के लक्षयो को प्राप्त कर सकेंगे कबीर साहब ने जो आम जनमानस के लिए जो रास्ते दिखाए हैं वह आज के समय में सर्वाधिक प्रासंगिक हैं और मैं कबीर साहेब के चरणों में शत-शत नमन करता हूं इस कार्यक्रम में उपस्थित मिथिलेश वर्मा मोहित वर्मा प्रकाश साहू खेमलाल साहू घाशी वर्मा कुमार वर्मा हेमंत दास सहित मंचस्थ मण्डली व ग्रामवाशी भारी संख्या में उपस्थित रहे ।

भिभौरी महाविद्यालय में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता जागरूकता विशेष शिविर आयोजित

दावा-आपत्ति प्रक्रिया की बारीकियों से छात्र-छात्राओं को किया गया अवगत

बेमेतरा

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के अंतर्गत दावा-आपत्ति चरण के दौरान मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भिभौरी महाविद्यालय में एक विशेष मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक चलने वाली दावा-आपत्ति प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन कार्यालय, बेमेतरा के निर्देशानुसार नगर पंचायत क्षेत्र में कार्यरत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को आमंत्रित किया गया था। बीएलओ द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने एवं त्रुटि सुधार से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया गया। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के अनुसार जिन छात्र-छात्राओं की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रारूप-6 में आवेदन प्रस्तुत कर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। साथ ही नाम, पता, आयु अथवा अन्य विवरणों में त्रुटि होने की स्थिति में संबंधित प्रारूपों के माध्यम से सुधार कराया जा सकता है। स्वीप नोडल अधिकारी श्री जी.एस. भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय बेमेतरा के मार्गदर्शन में महाविद्यालय स्तर पर यह विशेष शिविर आयोजित किया गया है, ताकि युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ते हुए उन्हें अपने मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा सके। शिविर के दौरान नुक्कड़ नाटक, रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य मतदाता जागरूकता को प्रभावी एवं रोचक बनाना है। शिविर में अभिहित अधिकारी एवं बीएलओ की सक्रिय सहभागिता रही।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर ठाकर ने सभी छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं तथा यदि कोई दावा-आपत्ति से संबंधित आवेदन हो तो 22 जनवरी 2026 की समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करें।

कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मतदाता शपथ दिलाई गई और उन्हें निष्पक्ष, निर्भीक एवं जिम्मेदार मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस विशेष शिविर के माध्यम से युवा मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया की समझ बढ़ी तथा उन्हें लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरणा मिली।

जिला कांग्रेस कमेटी पिपरभट्ठा में करेगी मनरेगा बचाओ रैली

बेमेतरा

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा कानून में बदलाव करके उसका नाम परिवर्तन करने तथा मनरेगा कानून की मूल आत्मा को समाप्त करने के विरुद्ध प्रदर्शन के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पीपरभट्ठा से ग्राम भोइनाभाटा तक दिनांक 18 जनवरी 2026 को समय 12:00 बजे से पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के सदस्य गण सहित आम जनता से इस पदयात्रा में शामिल होने की अपील की जा रही है इस पदयात्रा का उद्देश्य आम जनमानस में मनरेगा कानून को खत्म किए जाने को लेकर भाजपा के विरूद्ध जागरूक करना है जिससे लोग जान सके की भाजपा की सरकार किस तरह गरीब विरोधी कार्य कर रही है और अपने आंतरिक एजेडे को धीरे-धीरे करके भारत की जनता पर थोप रही है ।

विधायक की शक्ति योजना के लिए 22 हजार महिलाओं ने भरा फार्म

लोकांगन में उमड़ा कामकाजी महिलाओं का हुजूम

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा में दूसरों के घर झाड़ू, पोंछा, बर्तन मांज कर परिवार के भरण पोषण की अहम् जिम्मेदारी निभा रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने विधायक रिकेश सेन की शक्ति योजना के लिए लगभग 22 हजार महिलाओं ने फार्म जमा किया है। जिसकी स्कूटनी के बाद आज इस योजना का शुभारंभ लोकांगन परिसर वैशाली नगर से होगा।

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वैशाली नगर विधानसभा में 'शक्ति योजना' के माध्यम से वो दूसरों के यहां अनेक घरेलु कार्य करने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। शक्ति योजना ऐसी महिलाओं को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जोड़ेगी जिससे वो सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत हों। वैशाली नगर क्षेत्र की मेहनतकश महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना ही शक्ति योजना का मुख्य उद्देश्य है।

सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण के प्रतीक बन चुके विधायक रिकेश बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखते हुए वैशाली नगर विधानसभा के लिए उन्होंने शक्ति योजना बनाई है। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को संबल देगी, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान और स्वावलंबन की राह पर भी आगे बढ़ाएगी।

शक्ति योजना के लिए हजारों महिलाओं ने फार्म जमा किए हैं जिसकी स्कूटनी और वेरीफिकेशन बाद आज लोकांगन परिसर में उनको सूचीबद्ध कर योजना का शुभारंभ होगा।

आत्मसम्मान और स्वावलंबन की राह पर बढ़ेंगे कदम

शक्ति योजना से शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्व रोजगार सहायता, बचत योजना, कम्प्यूटर प्रशिक्षण सहित अनेक लाभ कामकाजी महिलाओं को मिलेगा। इस योजना ने ऐसी कामकाजी महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगाई है जो रोज दूसरों के घरों में

परिश्रम कर अपने परिवार का सहारा बनी हुई हैं। विधायक की शक्ति योजना के तहत महिलाओं के लिए नि:शुल्क साक्षरता एवं कौशल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यूपीएससी, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेटियों को विशेष कोचिंग सुविधा मिलेगी।

हेल्थ चेकअप मेडिकेयर एम्बुलेंस सुविधा

कंप्यूटर, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, कुकिंग और रिपेयरिंग जैसे कोर्सेस में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। उनके लिए नि:शुल्क हेल्थ चेकअप और मेडिकेयर सुविधा होगी। आवश्यकता पड़ने पर बीमार या गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा का लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को विशेष सहायता राशि और पोषण आहार योजना से जोड़ा जाएगा। वृद्ध एवं विधवा महिलाओं को स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत लाभ दिया जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य और आत्मरक्षा के लिए ट्रेनिंग कैंप भी लगाए जाएंगे।

गृह उद्योग और हस्तशिल्प में बढ़ेगी भागीदारी

शक्ति योजना से पंजीकृत स्वरोजगार के लिए इच्छुक महिलाओं को ऋण और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। घरेलू उद्योग और हस्तशिल्प कार्यों में प्रशिक्षण देकर महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जाएगा।

आत्मनिर्भर समूह के माध्यम से ऐसी महिलाएं छोटे व्यवसाय स्थापित कर सकेंगी। समय समय पर शक्ति योजना से जुड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर और कानूनी सहायता सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वास्थ्य शिक्षा और सुरक्षा की दिशा में सशक्त कदम

महिलाओं के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। जरूरतमंद परिवारों को आपातकालीन राहत सामग्री, कन्या विवाह सहायता, कानूनी सहायता, तीर्थयात्रा, पिकनिक, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित केंद्र व राज्य सरकार की महति योजनाओं का लाभ मिलेगा।

सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सवों में बढ़ेगी भागीदारी

समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने सांस्कृतिक उत्सवों में विशेष भूमिका दी जाएगी। बेटियों को धार्मिक एवं सामाजिक मंचों पर सम्मानित करने का प्रावधान भी है। हर वार्ड में महिला शक्ति मंचों का गठन होगा ताकि महिलाएं संगठित होकर अपने अधिकारों जागरूक रहें।

भव्य, अनुशासित एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत आयोजन के दिए निर्देश

कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों का किया स्थल निरीक्षण

बेमेतरा

आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह को भव्य, गरिमामय एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से बीते शनिवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बेमेतरा के बेसिक ग्राउंड में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने परेड, झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच व्यवस्था, ध्वजारोहण, अतिथि स्वागत, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात एवं सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री प्रेमलता मंडावी, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पिंकी मनहर, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय गौरव, लोकतंत्र और संविधान के प्रति सम्मान का प्रतीक है, इसलिए आयोजन में अनुशासन, समयबद्धता एवं गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नियमित रिहर्सल, मंच एवं मैदान की आकर्षक सजावट, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं होमगार्ड विभाग को सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने, स्वास्थ्य विभाग को आपात चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने तथा नगर पालिका परिषद को साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट दायित्व सौंपते हुए आपसी समन्वय से कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस का आयोजन देशभक्ति, एकता, अखंडता एवं संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है, अतः इसे सफल, प्रेरणादायक एवं यादगार बनाया जाए।

राष्ट्रीय पर्व को यादगार बनाने विभागीय समन्वय पर विशेष जोर-निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय महत्व के पर्व में प्रत्येक व्यवस्था समय से पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोजन की सफलता के लिए विभागीय समन्वय, स्पष्ट कार्य विभाजन एवं सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने परेड में भाग लेने वाले पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं स्कूली दलों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अनुशासन, एकरूपता एवं कदमताल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परेड राष्ट्रीय अनुशासन एवं सम्मान का प्रतीक होती है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की कमी स्वीकार्य नहीं होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रस्तुतियां भारतीय संविधान, स्वतंत्रता संग्राम, देशभक्ति, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक विविधता की भावना को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस मंच युवा पीढ़ी के लिए देशप्रेम की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

अतिथियों एवं आमजन की सुविधा सर्वोपरि-कलेक्टर ने मंच व्यवस्था, बैठक क्षमता, प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा, पेयजल व्यवस्था तथा छाया प्रबंध की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी आगंतुक को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का उत्सव है, जिसमें जिले के नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः सभी व्यवस्थाएं जनहित केंद्रित हों।

सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विशेष निर्देश-कलेक्टर सुश्री ममगाई ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस, होमगार्ड एवं प्रशासनिक अमले को पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण एवं आपात स्थिति से निपटने की समुचित योजना पूर्व से तैयार रहे। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेंस, प्राथमिक उपचार दल एवं आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके। नगर पालिका परिषद को कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण राष्ट्रीय पर्व की गरिमा को और अधिक बढ़ाता है। कलेक्टर ने कहा कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान के लागू होने की स्मृति का दिन है, जो हमें लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों की याद दिलाता है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि आयोजन के माध्यम से इन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान प्रेरणादायी संदेश देता है और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों से अपील की कि वे समर्पण, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि जिला बेमेतरा में गणतंत्र दिवस समारोह ऐतिहासिक, भव्य एवं प्रेरणास्पद बन सके।

पहले ही जर्जर घोषित भवन में चल रही आंगनबाड़ी, मासूमों की सुरक्षा भगवान भरोसे

जर्जर भवन में नौनिहालों की पढ़ाई, हादसे का इंतजार कर रहा आंगनबाड़ी केंद्र

बलरामपुर

जिले के शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बादा में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र गंभीर लापरवाही का उदाहरण बना हुआ है। जिस भवन में नन्हे-मुन्ने बच्चों को बैठाकर आंगनबाड़ी का संचालन किया जा रहा है, उसे विभाग द्वारा पहले ही जर्जर घोषित किया जा चुका है। बावजूद इसके, इसी असुरक्षित भवन में आंगनबाड़ी संचालित होना बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।स्थानीय लोगों के अनुसार आंगनबाड़ी भवन की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं, छत कमजोर हो गई है और कई स्थानों पर प्लास्टर उखड़कर गिर चुका है। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता है, वहीं आए दिन छत का प्लास्टर टूटकर गिरने से किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद मासूम बच्चों को इसी भवन में बैठाया जा रहा है। ग्रामीणों व अभिभावकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति बच्चों की जान से

सीधा खिलवाड़ है। उनका कहना है कि यदि समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का बयान- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता फूलवती ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी पूर्व में कई बार विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि कुछ समय के लिए आंगनबाड़ी का संचालन प्राथमिक शाला भवन में किया गया था, लेकिन इससे स्कूल के बच्चों को परेशानी होने लगी। गांव में किराए का मकान उपलब्ध न होने के कारण मजबूरीवश पुनः इसी जर्जर भवन में आंगनबाड़ी संचालित करनी पड़ी।

सुपरवाइजर का पक्ष-इस संबंध में डीपाडीह कला क्षेत्र की आंगनबाड़ी सुपरवाइजर मांगो बड़ा ने बताया कि उक्त भवन को विभाग द्वारा पहले ही जर्जर घोषित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यदि इसके बावजूद वहां आंगनबाड़ी संचालित हो रही है, तो शीघ्र ही वैकल्पिक व्यवस्था करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि बच्चों को सुरक्षित स्थान पर बैठाया जा सके।

उठते सवाल-सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब भवन को पहले ही जर्जर घोषित कर दिया गया था, तो स्थायी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई। इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है – विभाग, स्थानीय प्रशासन या संबंधित अधिकारी?

ग्रामीणों की मांग-ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग से मांग की है कि आंगनबाड़ी के लिए तत्काल सुरक्षित वैकल्पिक भवन उपलब्ध कराया जाए, जर्जर भवन में संचालन जारी रखने के कारणों की जांच की जाए तथा भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला प्रशासन से त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई की मांग करता है।

जशपुर में धान खरीदी की व्यस्था सुव्यस्थित रूप से हो रही संचालित

किसान इंद्र चौहान ने अपने नजदीक के धान खरीदी पहुंचकर आसानी से बेचा धान

जशपुरनगर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जशपुर जिले में धान खरीदी की व्यवस्था को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में किसानों की नियमित आवक बनी हुई है। शासन द्वारा लागू की गई किसान-हितैषी नीतियों एवं प्रभावी प्रबंधन व्यवस्था का सकारात्मक प्रभाव अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगा है। धान उपार्जन केंद्र महुआटोली, कुनकुरी में अपनी उपज

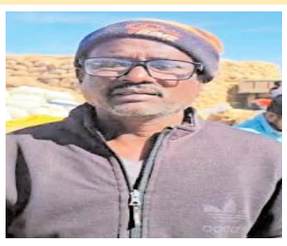

विक्रय हेतु पहुँचे कृषक इंद्र चौहान, पिता श्रवण चौहान ने बताया कि केंद्र पर धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया सरल, सुविधाजनक एवं सुव्यवस्थित रही। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्र में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। कर्मचारियों द्वारा किसानों को निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। समय पर टोकन उपलब्ध हुआ तथा पर्ची कटने से लेकर तौल तक की समस्त प्रक्रिया क्रमबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध कराया गया। कृषक ने बताया कि ऑनलाइन टोकन, माइक्रो एटीएम जैसी व्यवस्था लागू होने से किसानों को बड़ी राहत मिल रही है, जिससे समय की बचत हो रही है। उन्होंने शासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और उन्हें आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान की अनुभूति हो रही है।

मुठभेड़ में 1 महिला समेत 4 नक्सली ढ़ेर,ऑपरेशन जारी

DVCM दिलीप बेडज़ा भी मारा गया, एके-47,303 रायफल व ग्रेनेड भी बरामद,

बीजापुर

जिले के उत्तर-पश्चिमी जंगल और पहाड़ी इलाकों में जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने एक महिला माओवादी कैडर सहित कुल चार माओवादी नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। मुठभेड़ स्थल से एके-47 और .303 राइफल जैसे उच्च क्षमता वाले हथियार भी जब्त किए गए हैं। नेशनल पार्क एरिया कमेटी का कुख्यात माओवादी कैडर डीवीसीएम दिलीप बेड़जा भी शामिल है ।

संयुक्त टीम ने किया अभियान -पुलिस अधीक्षक बीजापुर, डॉ. जितेन्द्र यादव के अनुसार, नेशनल पार्क एरिया कमेटी के डीवीसीएम दिलीप बेड़जा और

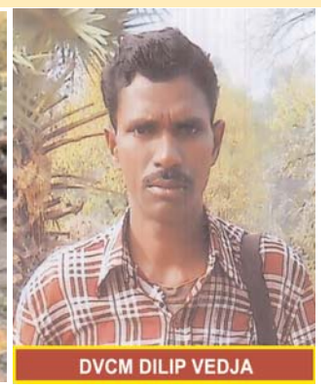

अन्य सशस्त्र माओवादी की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद डीआरजी, कोबरा और एसटीएफकी संयुक्त टीम ने सघन सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 17 जनवरी 2026 से प्रारंभ हुए अभियान में दिन भर माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई।

दिनभर और शाम की मुठभेड़ में चार माओवादी ढेर - सर्च अभियान के दौरान दोपहर तक दो माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए। शाम में हुई मुठभेड़ में एक महिला कैडर समेत दो और माओवादी मारे गए। इस प्रकार अब तक कुल चार माओवादी कैडर ढेर हो चुके हैं और उनके पास से उच्च क्षमता वाले हथियार भी जब्त किए गए हैं।

सुरक्षा बलों की रणनीतिक सफलता -पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण हालातों के बावजूद डीआरजी, कोबरा और एसटीएफके जवानों ने अनुशासन, रणनीतिक दक्षता और साहस का परिचय देते हुए निर्णायक कार्रवाई की।

पहचान और आगे की कार्रवाई-प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मारे गए माओवादी कैडरों में से एक डीवीसीएम दिलीप बेड़जा था। अन्य माओवादियों की नेशनल पार्क एरिया कमेटी से संबंध होने की संभावना जताई जा रही है, जिनकी पहचान की प्रक्रिया जारी है।

सघन सर्च अभियान जारी - सुरक्षा बल क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान जारी रखे हुए हैं। अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट और अतिरिक्त जानकारी साझा की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली रेवाराम साहु के परिवार की ज़िंदगी, कच्चे घर से पक्के सपनों तक का सफ़र परिचय

बेमेतरा

जनपद पंचायत बेरला, जिला बेमेतरा के निवासी रेवा राम साहु, पिता जगत राम साहु (कोडः ष्टा3457283) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंध रखते हैं। उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत निर्माण वर्ष 2024ङ्क25 में स्वीकृत हुआ। यह स्वीकृति उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत साबित हुई। रेवा राम साहु अपने पूरे परिवार के साथ एक कच्चे और अत्यंत जर्जर मकान में जीवन यापन कर रहे थे। मकान की हालत इतनी खराब थी कि बरसात के दिनों में छत से लगातार पानी टपकता था। कई बार हालात ऐसे हो जाते थे कि पूरा परिवार रात-रात भर जागने को मजबूर हो जाता था। कच्चे मकान में सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीवों का खतरा हमेशा बना रहता था। बच्चों और

प्र.म.आ.यो.ग्रा.अंतर्गत निर्मित नवीन मकान

पूर्व मे कच्चा मकान

बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिवार के मन में लगातार भय बना रहता था। यह मकान केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हर दिन चिंता और असुरक्षा का कारण बन चुका था।

आर्थिक मजबूरी और अधूरा सपना-परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए सिर्फ एक सपना था। मजदूरी और सीमित आमदनी में परिवार का पालन-पोषण करना ही बड़ी चुनौती थी। ऐसे में पक्के मकान की कल्पना करना भी असंभव लगता था। रेवा राम साहु बताते हैं कि कई बार लगा कि शायद यह सपना कभी पूरा नहीं हो पाएगा, लेकिन मन में एक उम्मीद जरूर थी कि कभी न कभी हालात बदलेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजनाः उम्मीद की नई किरण- जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उनके नाम से आवास स्वीकृत हुआ, तो यह खबर पूरे परिवार के लिए खुशियों का संदेश लेकर आई। जैसे ही पहली किस्त की राशि बैंक खाते में प्राप्त हुई, परिवार की वर्षों पुरानी चिंता आशा में बदल गई। योजना की सहायता से बिना किसी देरी के आवास निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। शासन द्वारा समय-समय पर मार्गदर्शन और सहायता मिलती रही, जिससे निर्माण कार्य सुचारु रूप से आगे बढ़ता गया।

सपनों का पक्का घर हुआ साकार-आज रेवाराम साहु का पक्का, सुरक्षित और मजबूत मकान पूरी तरह बनकर तैयार है। अब बरसात, ठंड या गर्मी–किसी भी मौसम में परिवार को परेशानी नहीं होती। बच्चों को सुरक्षित माहौल मिला है और परिवार चैन की नींद सो पा रहा है। यह घर सिर्फ ईंट-सीमेंट की दीवारें नहीं है, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की पहचान बन गया है। जिस सुकून की तलाश वर्षों से थी, वह अब इस घर के साथ उन्हें मिला है।रेवा राम साहु भावुक होकर कहते हैं, यह सिर्फ एक मकान नहीं है, यह हमारे सपनों और आत्मसम्मान की छत है। इस घर ने हमें वह सम्मान दिया है, जो पहले कभी महसूस नहीं हुआ। अब हम समाज में सिर उठाकर जी पा रहे हैं 7 रेवा राम साहु अपने परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमारे परिवार का जीवन ही संवार दिया। आज जो सुरक्षित भविष्य हमें मिला है, वह सरकार की जनकल्याणकारी सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण केवल एक आवास योजना नहीं, बल्कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा और सम्मान लाने का सशक्त माध्यम है। रेवाराम साहु की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि सही नीति और संवेदनशील शासन से आम नागरिक के सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है।

बेमेतरा के वार्ड क्रमांक 06 में तीन दिवसीय अखंड नवधा रामायण महोत्सव का भव्य आयोजन

बेमेतरा

शहर के वार्ड क्रमांक 06 (मोहभट्ठा वार्ड) में तीन दिवसीय अखंड नवधा रामायण महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार 15 जनवरी 2026 को श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य शोभायात्रा (108 कलश यात्रा) के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं वार्डवासी शामिल हुए। कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। आयोजन समिति ने बताया कि अखंड नवधा रामायण पाठ का समापन 18 जनवरी 2026 को चढ़ोतरी एवं संध्या कार्यक्रम के साथ होगा। वहीं 19 जनवरी 2026 को मातर मड़ाई का आयोजन किया जाएगा तथा रात्रिकालीन कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भूपेन्द्र साहू कृत रंग सरोवर, ग्राम बारूका (जिला

गरियाबंद) की विशेष प्रस्तुति होगी।महोत्सव में समिति के विशेष सदस्य के रूप में शिव साहू (पूर्व पार्षद), नारायण साहू, शिव पाटिल (पार्षद), नारद पाटील, लक्ष्मण यादव (छाया पार्षद) सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक सक्रिय रूप से सहभागी रहे।अखंड नवधा रामायण पाठ में दुष्यंत वर्मा, राजा वर्मा, युवराज वर्मा, शिव पाटिल, ऐशान्य वर्मा, तिलक देवांगन, विकास वर्मा, टाकेश साहू, रवेंद्र वर्मा, विक्की विश्वकर्मा, कौशलेंद्र साहू सहित अनेक पाठकर्ताओं ने सहभागिता कर भक्तिमय वातावरण निर्मित किया।प्रातःकालीन प्रभात फेरी में लक्ष्मण यादव, महेश यादव, बीशन वर्मा, रमेंद्र निषाद, राजकुमार निषाद सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सेवा गीतों के माध्यम से धर्म और भक्ति का संदेश दिया। वहीं भोजन प्रसाद (भंडारा) की व्यवस्था फे रहाराम, नरसिंग पाटिल, सनत यादव सहित अन्य सेवाभावी सदस्यों द्वारा की गई।आयोजन समिति ने बताया कि इस वर्ष राज्य स्तरीय नवधा रामायण महोत्सव प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें 30 मानस मंडलियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान सभी मंडलियों ने उच्च स्तरीय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मंडलियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

ऐतिहासिक कवि सम्मेलन के साथ दो दिवसीय राजा मोरध्वज महोत्सव का हुआ भव्य समापन

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के मांग पर राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की अनेक बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री साय के उपस्थिति में ऐतिहासिक कवि सम्मेलन के साथ हुआ राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव - 2026 का समापन

आरंग

त्याग, तपस्या और धर्मपरायणता के प्रतीक महान राजा मोरध्वज की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव 2026 का समापन शुक्रवार को श्रद्धा, संस्कृति और साहित्य के संगम के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। राजा मोरध्वज केवल इतिहास के पात्र नहीं, बल्कि त्याग, सत्य और जनकल्याण की जीवंत परंपरा हैं। उनका जीवन आज के समय में भी सुशासन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रप्रेम का मार्ग दिखाता है। महोत्सव स्थल में आने के पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण

साव,आयोजन के संयोजक कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद ङ्क बृजमोहन अग्रवाल, विजय बघेल, सतनामी समाज के धर्मगुरु बालदास साहेब, कैबिनेट मंत्री दर्जा ध्रुव कुमार मिर्धा, पीठाधीश राजीव लोचन महराज, विधायक ङ्क रोहित साहू, मोतीलाल साहू, इंद्र कुमार साहू, आयोग की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, डॉ वर्णिका शर्मा,आरंग पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन, जनपद अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू सहित तमाम राजनेताओं ने बाबा बागेश्वर मंदिर पहुंचकर बाबा बागेश्वर नाथ बाबा की पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ के समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आरंग की यह पुण्यभूमि त्रेता युग में प्रभु श्रीराम के चरण-स्पर्श से तथा द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों से अनुप्राणित रही है।मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने वाली कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने समोदा उप तहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा देने और वहाँ पूर्णकालिक तहसीलदार की पदस्थापना की घोषणा की। इसके साथ ही मोरध्वज महोत्सव के लिए दिए जाने वाले शासकीय अनुदान को ?5 लाख से बढ़ाकर ?10 लाख करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में प्रस्तावित खेल परिसर सहित अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि राज्य सरकार ÷मोदी की गारंटी÷ के अनुरूप जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सैंड आर्टिस्ट हेमचंद साहू को रेत से भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम एवं भगवान बागेश्वरनाथ की दिव्य आकृतियाँ उकेरने के लिए सम्मानित किया। आयोजन के संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सम्बोधित करते हुए कहा कि महोत्सव के दूसरे और अंतिम दिन सुबह से देर रात तक चले आयोजनों ने नगर को उत्सव और गौरव से सराबोर कर दिया।इसी कड़ी में सुबह 9 बजे से 12 बजे तक माता गायत्री की विधिवत यज्ञङ्कहवन एवं पूजन संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और हवन की पवित्र अग्नि के बीच नगरवासियों ने सुखङ्कसमृद्धि और शांति की कामना की। धार्मिक अनुष्ठान ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक स्कूल एवं कॉलेज के छात्रङ्कछात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।देशभक्ति,लोकसंस्कृति और सामाजिक संदेशों से ओत-प्रोत नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरी है। विद्यार्थियों की प्रतिभा और अनुशासन ने मंच को जीवंत बना दिया। शाम 5 से 6 बजे तक छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोकगाथा लोरीकङ्कचंदा की मनमोहक प्रस्तुति देउर गांव साजा से पधारे कलाकारों द्वारा दी गई। लोककथा की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ा। इसके पश्चात शाम 6 से 7 बजे तक धमतरी से आई राजा मोरध्वज की भव्य झांकी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। झांकी में राजा मोरध्वज के त्याग, बलिदान और धर्मनिष्ठ जीवन की झलक ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि महोत्सव का सबसे प्रतीक्षित क्षण अब आ गया है जब देश के प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास के कवि सम्मेलन से इस आयोजन का भव्य समापन होगा। राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव 2026 में आयोजित अद्वितीय कवि सम्मेलन में डॉ कुमार विश्वास जी के साथ मंचासिन हास्य कवि रोहित शर्मा, श्रृंगार रस की कवियत्री साक्षी तिवारी, हास्य और व्यंग के सशक्त हस्ताक्षर दिनेश बावरा तथा वीर रस के कवि विनीत चौहान ने अपने ओज, वीर रस, श्रृंगार और राष्ट्रभाव से परिपूर्ण कविताओं ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। तालियों की गूंज और भावनाओं का सैलाब आयोजन की ऐतिहासिक सफलता का साक्षी बना। दो दिवसीय राजा मोरध्वज महोत्सव ने न केवल इतिहास और संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि नई पीढ़ी को त्याग, समर्पण और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सार्थक प्रयास भी किया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न मंडल तथा निगमो के अध्यक्षो भी उपस्थित थे। नगरवासियों, अतिथियों और आयोजकों के सहयोग से यह आयोजन स्मरणीय बन गया। राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव के सफल, भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी जनों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

संपादकीय

उम्र चाहे जितनी भी हो, मन में थोड़ा-सा खुलापन बनाए रखना जरूरी

जब जिंदगी कोई दर्दनाक या कठिन झटका देती है, तो हमारी पहली स्वाभाविक प्रतिक्रिया उसके कारणों का पता लगाने की होती है। ऐसे में, हम क्लोजर यानी उस बुरे अनुभव का अंत चाहते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह कई लोगों के लिए उपचार का अहम जरिया बन सकता है। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर एरी डब्ल्यू क्रुगलांस्की के शब्दों में, बुरे अनुभव का अंत निर्णय लेने और प्रतिबद्ध होने में तो मदद कर सकता है, लेकिन ऐसा न होने पर जीवन मुश्किल हो सकता है। दूसरी तरफ कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें इस तरह के क्लोजर की जरूरत नहीं होती। ऐसे लोग निर्णय लेने में कुछ अधिक समय ले सकते हैं, पर ये अनिश्चितता को बेहतर ढंग से सहन करते हैं और अपेक्षाकृत अधिक खुले विचारों वाले होते हैं।

हालांकि, जब भविष्य को लेकर आत्मविश्वास डगमगाता है, समय का दबाव बढ़ता है या व्यक्ति मानसिक रूप से थका होता है, तब उसे बुरे अनुभव के अंत की तीव्र इच्छा होती है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान के प्रोफेसर डैन पी मैकएडम्स के अनुसार, जो लोग जीवन से संतुष्ट होते हैं, वे अपने अतीत की नकारात्मक घटनाओं को ऐसी कहानियों में ढाल लेते हैं, जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। वहीं, जो लोग लगातार संघर्ष कर रहे होते हैं, वे ऐसा कम कर पाते हैं।

ड्रेक यूनिवर्सिटी की समाजशास्त्र की प्रोफेसर नैन्सी बर्न्स के अनुसार, क्लोजर (बुरे अनुभव का अंत) का विचार हमें इस वादे के साथ आकर्षित करता है कि हमारा दर्द खत्म हो जाएगा। पर उनके मत में, जीवन में खुशी और शोक, दोनों के लिए जगह होनी चाहिए, क्योंकि कई बार वे एक-दूसरे से गहराई से जुड़े होते हैं। हालांकि, डॉ. क्रुगलांस्की के अनुसार, बुरे अनुभव के अंत का मतलब हमेशा अच्छा महसूस करना नहीं होता। वह इस बात पर निर्भर करता है कि आप प्राप्त जानकारी को कितना स्वीकार कर पाते हैं और उस पर कितना भरोसा करते हैं। मनोवैज्ञानिक डॉ. डैन मैकएडम्स के मुताबिक, बुरे अनुभव के अंत को किसी स्थायी समाधान के बजाय अस्थायी समझौते की तरह देखना बेहतर है, क्योंकि कई बार हम उन्हीं मुद्दों पर दोबारा सोचते हैं, जिन्हें कभी सुलझा हुआ मान लिया था। इसलिए, उम्र चाहे जितनी भी हो, मन में थोड़ा-सा खुलापन बनाए रखना भी जरूरी है।

पश्चिम बंगाल का चुनाव घुसपैठिया भगाओ के नैरेटिव की भी परीक्षा

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल विधानसभा की लड़ाई एक समान्य चुनावी लड़ाई नहीं है। यह उससे कहीं ज्यादा है। भारतीय जनता पार्टी और उसके दोनों सर्वोच्च नेताओं नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है। मोदी और दीदी यानी नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी के कल्ट की लड़ाई है। भाजपा और भाजपा विरोध के बुनियादी नैरेटिव की लड़ाई है और भाजपा के हिंदुत्व बनाम हिंदू धर्म की विविधता का भी मुकाबला है। ध्यान रहे दक्षिण के राज्यों को छोड़ दें तो बंगाल एकमात्र राज्य है, जहां मोदी और शाह का जादू नहीं चल पा रहा है। बिहार में भी नहीं चला लेकिन वहां 2015 का चुनाव हारने के बाद भाजपा को समझ में आ गया था कि नीतीश कुमार के रहते अकेले दम पर चुनाव जीतना संभव नहीं है। इसलिए भाजपा ने नीतीश के साथ गठबंधन को प्राथमिकता दी।

इसी तरह झारखंड में 2014 में जादू चल गया था और भाजपा जीत गई थी। लेकिन उसके बाद लगातार दो बार से हार रही है। तभी वहां भी झारखंड मुक्ति मोर्चा को एनडीए में लाने के प्रयासों की गाहेबगाहे खबर आती रहती है। परंतु पश्चिम बंगाल में भाजपा ऐसा नहीं कर सकती है। वहां उसे ममता बनर्जी के खिलाफ ही लड़ना है और दोनों साथ नहीं आ सकते हैं। आखिर ममता के मुकाबले लेफ्ट और कांग्रेस की ताकत पूरी तरह से समाप्त करके ही भाजपा वहां मजबूत हुई है। लेकिन अभी इतनी मजबूत नहीं हो पाई है कि ममता बनर्जी को हरा कर सत्ता प्राप्त कर ले।

भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल की लड़ाई जीवन मरण की तरह लड़ रही है। कह सकते हैं कि भाजपा हर जगह ऐसे ही लड़ती है। यह सही है फिर भी पश्चिम बंगाल की लड़ाई अलग है। यह हिंदू बनाम मुस्लिम के ध्रुवीकरण की राजनीति का टेस्ट केस है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी 30 फीसदी के करीब है। बाकी करीब 70 फीसदी हिंदू आबादी है। यह आम धारणा है कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों या मुसलमानों की प्रजनन दर की वजह से राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रही है। तेजी से मुस्लिम आबादी बढ़ती जा रही है

और ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हिंदू परेशान हैं।

इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि हिंदू सचमुच की परेशानी या बनाई गई धारणा के कारण भाजपा की ओर मुड़े हैं। पिछले तीन चुनावों में, जिनमें 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव और 2021 का विधानसभा चुनाव शामिल है, भाजपा को औसतन 40 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। इसका मतलब है कि उसे 70 फीसदी हिंदुओं में से 60 फीसदी का वोट मिला है। यह बहुत बड़ा ध्रुवीकरण है। आमतौर पर दूसरे राज्यों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में हिंदू 50 फीसदी वोट भाजपा को करे तो वह बड़ी जीत हासिल करती है। लेकिन बंगाल में 60 फीसदी पर भी वह जीत नहीं पाती है।

इसका अर्थ है कि और ज्यादा हिंदू ध्रुवीकरण होने पर ही भाजपा के लिए मौका बनेगा। क्या इस बार यह संभव हो पाएगा? अगर भाजपा 70 फीसदी हिंदू आबादी में से 70 फीसदी वोट प्राप्त करे तब उसकी जीत सुनिश्चित होगी। ऐसा गणित इसलिए है क्योंकि पश्चिम बंगाल में बिल्कुल आमने सामने का चुनाव होता है। तृणमूल कांग्रेस बनाम भाजपा का मुकाबला होता है। लेफ्ट और कांग्रेस की ताकत पूरी तरह से समाप्त हो गई है। दोनों को मिला कर 10 फीसदी के करीब वोट मिलता है। 87 से 88 फीसदी वोट तृणमूल और कांग्रेस में बंटते हैं। अगर कोई ऐसी ताकत आए, जिसकी वजह से मुस्लिम वोट का बंटवारा हो तब भाजपा के लिए मौका है या वह 70 फीसदी हिंदू वोट ले और बचा हुआ हिंदू वोट अकेले तृणमूल की तरफ जाने की बजाय दूसरी पार्टियों में बंटे तब उसके लिए मौका बने।

पिछले चुनाव में हुगली के फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी ने इंडियन सेकुलर फ्रंट बनाया था और कांग्रेस व लेफ्ट के साथ तालमेल करके लड़े थे। इन तीनों पार्टियों के गठबंधन को 294 में से सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी वह सीट भी आईएसएफ को मिली थी। इसका मतलब है कि तमाम गठबंधन के बावजूद मुस्लिम पूरी तरह से ममता बनर्जी के साथ रहे। इस बार अलग तरह से प्रयास हो रहा है। मुर्शिदाबाद में तृणमूल से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने नींव रख दी है और फरवरी में निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने जातीय उन्नयन पार्टी का गठन किया है। वे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एमआईएम से तालमेल की तैयारी कर रहे हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर जोर लगाया है। ममता बनर्जी की पार्टी से राज्यसभा सांसद मौसम बेनजीर नूर की कांग्रेस में वापसी हुई है। वे एबीए गनी खां चौधरी यानी बरकतदा के परिवार की हैं, जिसका मालदा में बड़ा असर है। उनके चचेरे भाई ईशा खान चौधरी बंगाल में कांग्रेस के इकलौते सांसद हैं। सो, कांग्रेस भी मुस्लिम वोट के लिए जोर लगा रही है। इंडियन सेकुलर फ्रंट तो है ही। हालांकि इतनी भीड़ के बावजूद मुस्लिम वोट टूटेंगे इसमें संदेह है।

अब सवाल है कि क्या हिंदू वोट का 70 फीसदी भाजपा के साथ जाएगा? यह एक मुश्किल लक्ष्य लग रहा है। इसका कारण यह है कि ममता बनर्जी भी पश्चिम बंगाल की संस्कृति से जुड़ी धार्मिकता को बढ़ावा दे रही हैं। पिछला चुनाव उन्होंने मां काली का मंत्र पढ़ कर जीता था। इस बार उन्होंने दीघा में जगन्नाथ धाम बनाया है। यह बंगाल की संस्कृति से जुड़ा मामला है। ध्यान रहे बंगाल में चैतन्य महाप्रभु का बड़ा असर है और जगन्नाथ धाम उनके भक्तों को आकर्षित कर रहा है। इसी तरह उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में सबसे बड़े दुर्गा मंदिर की नींव रखी है। वे दुर्गा आंगन बनवा रही हैं। उधर सिलिगुड़ी में वे सबसे बड़ा महाकाल मंदिर बनवाएंगी। ध्यान रहे बंगाल में शिव शक्ति की पूजा की संस्कृति रही है। ममता बनर्जी ने दुर्गापूजा करे सभी पंडालों को पहले से ज्यादा पैसे भी दिए।

इस तरह वे भाजपा और संघ के पूरे देश को जय श्रीराम के नारे के साथ वैष्णव बनाने के प्रोजेक्ट को चैलेंज कर रही हैं। ध्यान रहे संघ और भाजपा हिंदू धर्म की विविधता को एकरूपता में बदलने की परियोजना चला रहे हैं। पश्चिम बंगाल शक्ति की पूजा वाला प्रदेश है। वहां शाक्त संप्रदाय के लोगों की बड़ी आबादी है। वे मातृ शक्ति की पूजा करते हैं। सो, एक तरफ भाजपा के सामने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को एक्सट्रीम तक ले जाने की चुनौती है तो दूसरी ओर हिंदू धर्म की बहुलता, विविधता को एकरुपता में ढालने के उसके दीर्घकालिक प्रयोग की भी परीक्षा है। बहरहाल, अगर 30 फीसदी मुस्लिम आबादी वाले प्रदेश में भी भाजपा हिंदू ध्रुवीकरण करा कर चुवाव नहीं जीतती है तो क्या वह इस राजनीति की सीमाओं को समझेगी और इसमें कोई बदलाव करेगी? इस बार पश्चिम बंगाल का चुनाव घुसपैठिया भगाओ के नैरेटिव की भी परीक्षा है। भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया है। असम की तर्ज पर बंगाल में डुसपैठियों को निकालमे और जमीन खाली कराने का दावा किया जा रहा है।

दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो 'उपहार' दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों- जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया।

साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है।

हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं। इसलिए वे अपने सहयोगी देशों की मदद से चीन पर निर्भरता घटाना चाहते हैं। जबकि भारत की फौरी जरूरत अमेरिका के साथ अनुकूल व्यापार समझौता है। उसमें मामला जहां का तहां अटका हुआ है। इस बारे में गोर ने इतना भर बताया कि वार्ता जारी है।

कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव

हरिशंकर व्यास

कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव। ऊपर से भौकाल मचाते आंकड़े वही जमीनी असलियत में खोखला। विश्व बाजार में पिछले साल भारत का रुपया लुढ़का वही आर्थिकी तथा बाजार की रौनक चीनी कारखानों के उत्पादों पर आश्रित। वैश्विक वास्तविकताओं में यह हमेशा सुना गया है कि जो विकसित है या विकसित होता हुआ है तो उसकी करेंसी उसी अनुपात में मंहगी, मूल्यवान होती है। वहां के नागरिकों के पासपोर्ट का मान बढ़ता है। पर मोदी राज के हवाबाज ढोलों का कमाल है जो रुपया, निर्यात लुढके, बेरोजगारी बढ़ी मगर फिर भी ब्रिटेन, जापान, जर्मनी सभी को भारत पछाड़ता हुआ। आगे बस चीन और अमेरिका का नंबर आना है। भारत के पासपोर्ट का जहां सवाल है तो विश्वगुरू बन गए पर अपना पासपोर्ट अफीकी देशों के पासपोर्ट से भी कमजोर, लुढ़कता हुआ।

सच्चाई है कि भारत की आबादी दुनिया की कुल आबादी का साढे 17 प्रतिशत है जबकि बेचारे ब्रिटेन, जापान, जर्मनी की कुल आबादी सिर्फ तीन प्रतिशत है। भारत 140 करोड़ लोगों की भीड लिए हुए है वही ब्रिटेन, जर्मनी, जापान तीनों देशों की कुल आबादी 24 करोड है। मतलब भारत के मध्यवर्ग की अनुमानित संख्या से भी कम।

लेकिन 2026 की ताजा शुरूआत जापान को पछाड देने के ढोल से हुई। यह शोर लगातार बढ़ना है। जबकि विकसित ब्रिटेन, जापान, जर्मनी बनाम भारत का बुनियादी फर्क है जो वे देश आत्मनिर्भर आर्थिकी के गौरव में सांस लेते हैं वही भारत की आर्थिकी चीन आश्रित है। भारत किसी भी मामले में अब आत्मनिर्भर नहीं है। 2014 के बाद से भारत का विकास या तो बाजार के रूप में है या व्यापारिक लेन-देन, कृषि, सेवा और खैरात-रेवड़ियों की आर्थिकी से फलता-फूलता हुआ है।

ऐसा ही सुरक्षा, सामरिक, भू राजनीति में है। 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पक्ष में खुलकर बोलने वाला कौन देश था? ईमानदारी से केवल इजराइल। रूस ने तटस्थता रखी। डोनाल्ड ट्रंप ने मौके का फायदा उठाया तथा बाद में पाकिस्तान पर शहाथ रखा। चीन ने पाकिस्तान को हर संभव मदद दी। दक्षिण एशिया, आसियान देशों में भी भारत अलग-थलग था। वह स्थिति 2026 में और बढेगी। 2026 में ट्रंप प्रशासन के साथ टैरिफ करार भले हो जाए लेकिन पाकिस्तान के लिए उसके खुले दरवाजे बंद नहीं होने हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश को लेकर अमेरिका, पश्चिमी देश, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी तटस्थ रहने हैं। भारत की चिंताओं में कोई साझेदार नहीं होगा। तभी नोट रखें दिसंबर 2026 में भारत की आर्थिकी अधिक पराश्रित होगी तो भूराजनीति व सामरिक मामलों में भी भारत ज्यादा अलग-थलग होगा।

गोल्ज्यू देव के दरबार में दया और न्याय, हर अर्जी की होती है सुनवाई

हिमालय की गोद में बसे उत्तराखंड में अनेक लोक देवताओं की मान्यता है, जिनमें ग्वाल या गोल्ज्यू देवता को न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है। उनके प्रति लोगों की आस्था आज भी उतनी ही प्रगाढ़ है, जितनी सदियों पहले थी। ऐसा विश्वास है कि गोल्ज्यू देवता के दरबार में पहुंचने वाला कोई भी फरियादी निराश नहीं लौटता और वहां लगाई गई हर अर्जी की सुनवाई के बाद न्यायपूर्ण समाधान होता है।

गोल्ज्यू देवता को कुमाऊं क्षेत्र में ग्वाल्ल, गोल्ज्यू और ग्वाल महाराज जैसे नामों से भी जाना जाता है। उनका बाल्यकालीन मंदिर चंपावत जनपद के गोरलचौड़ में स्थित है। इसके अलावा अल्मोड़ा जिला मुख्यालय से लगभग पंद्रह किलोमीटर दूर गैराड़ का गोल्ज्यू देव मंदिर तथा नैनीताल जिले के घोड़ाखाल स्थित गोल्ज्यू देव (गोल्ज्यू) मंदिर अत्यंत प्रसिद्ध हैं। इन मंदिरों में पूरे साल श्रद्धालुओं और फरियादियों की भीड़ लगी रहती है। लोग अपनी समस्याएं कागज पर लिखकर मंदिर में रख देते हैं और मनोकामना पूरी होने पर घंटियां अर्पित करते हैं। मंदिरों में टंगी हजारों घंटियां लोगों की अटूट श्रद्धा का प्रमाण हैं। लोक कथाओं के अनुसार, गोल्ज्यू देवता के पिता झालुराय कत्यूरी वंश के राजा थे। उनकी सात रानियां थीं, लेकिन कोई संतान नहीं हुई। बाद में उन्होंने पंचनाम देवों की बहन कालिंका से विवाह किया। जब कालिंका गर्भवती हुई तो अन्य रानियां ईर्ष्या से भर गईं और उन्होंने षड्यंत्र रचा कि किसी प्रकार इस बालक को जन्म से पहले ही मार दिया जाए। सातों रानियों ने राजा से कहा कि वे सभी मिलकर प्रसव में सहायता करेंगी।

उन्होंने कालिंका की आंखों पर पट्टी बांध दी और बालक को नीचे बकरियों की गोठ में डाल दिया। जब वहां भी बालक सुरक्षित रहा तो उसे लोहे के संदूक में बंद कर कालीगंगा नदी में बहा दिया। कालीगंगा में मछली पकड़ने गए एक निस्संतान व्यक्ति को वह संदूक मिला। संदूक खोलने पर उसे बालक ग्वाल्ल प्राप्त हुआ, जिसे उसने अपने पुत्र की तरह पाला। समय के साथ ग्वाल्ल ने अपनी माता कालिंका को पहचान दिलाई और सच्चाई सामने आई। आगे चलकर वह उत्तराखंड में गोल्ज्यू देवता, ग्वाल महाराज, बाला गोरिया और गौर भैरव जैसे नामों से प्रसिद्ध हुए।

सू- दोकू क्र.290

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.289 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -290

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

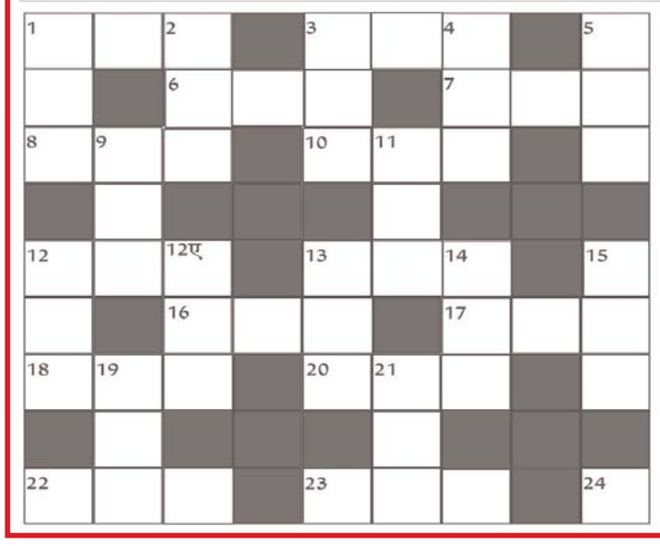

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 289 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

खबर-खास

पुलिस अधिक्षक ने की लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

मुंगेली। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा जिले के लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करने राजपत्रित अधिकारी, थाना/चौकी एवं शाखा प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं गुम बालिकाओं से संबंधित अपराधों तथा साइबर फ्रॉड मामलों में त्वरित वैधानिक कार्यवाही के निर्देश,अवैध शराब, गांजा, नशीली दवाइयों, अन्य मादक पदार्थों, जुआ एवं सट्टा पर सख्त कार्यवाही के निर्देश तथा बीट प्रणाली के तहत स्मार्ट पुलिसिंग को प्राथमिकता, असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश तथा पूर्व लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु थाना/चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश दिये।

पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा दिनांक 16.01.2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित संवाद कक्ष में जिले की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी, थाना एवं चौकी प्रभारी तथा पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने जिले की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महिला एवं गुमशुदा बालक-बालिकाओं से संबंधित अपराधों, गंभीर अपराध जैसे हत्या, हत्या का प्रयास, संपत्ति संबंधी अपराध (चोरी, नकबजनी, झपटमारी) एवं पूर्व लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए तथा धारा 173(8) जा.फौ. (वर्तमान 193 बीएनएसएस) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों, लंबित मर्ग प्रकरणों तथा सायबरक्राईम डॉट जीओवी डॉट इन एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 से प्राप्त साइबर फ्रॉड संबंधी शिकायतों का शीघ्र वैधानिक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही थानों में प्राप्त शिकायतों को 07 दिवस के भीतर तथा पूर्व लंबित शिकायतों को 15 दिवस के भीतर निराकृत करने, थाना परिसर एवं मालखाना की साफ-सफाई तथा अभिलेखों को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए।

जिले के समस्त पर्यवेक्षण अधिकारियों को अपने-अपने थाना/चौकी क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने, नियमित भ्रमण करने तथा लंबित प्रकरणों की निरंतर समीक्षा कर निर्धारित समयावधि में निराकरण कराने के निर्देश दिए गए।

अड्डेबाजी व सार्वजनिक स्थलों पर शराबखोरी करने वाले 94 लोगों के खिलाफ कार्यवाही

दुर्ग। जिला पुलिस द्वारा ऑपरेशन विश्वास के तहत चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अड्डेबाजी व सार्वजनिक स्थलों पर शराबखोरी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए 94 आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

जिले में अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन एवं उससे उत्पन्न कानून-व्यवस्था की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस दुर्ग द्वारा ऑपरेशन विश्वास के अंतर्गत दिनांक 16.01.2026 की रात्रि को जिलेभर में एक साथ व्यापक एवं सघन विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करना तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ा संदेश देना था। अभियान के दौरान अड्डेबाजी करने एवं सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन करने वाले कुल 94 व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान थाना सुपेला में 21 , थाना मोहन नगर में 10, थाना छावनी में 9, थाना पुरानी भिलाई में 8, थाना पाटन में 7, थाना वैशाली नगर में 6, थाना कुम्हारी एवं खुर्सीपार में 5-5, थाना जामुल एवं अमलेश्वर में 4-4, थाना पुलगांव, दुर्ग, धमधा में 3-3 तथा थान नेवई, अण्डा, रानीतराई, जामगांव (एम)में 1-1 आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की गई है। उक्त अभियान में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को लगाया गया था तथा संपूर्ण कार्यवाही राजपत्रित अधिकारियों की सतत एवं प्रभावी निगरानी में संपन्न कराई गई। जिला पुलिस दुर्ग आम नागरिकों को स्पष्ट रूप से संदेश देती है कि सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन, अड्डेबाजी एवं कानून-व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर एवं निरंतर कार्रवाई की जाती रहेगी।

अवैध शराब बिक्री के अलग-अलग मामलो में तीन गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिला पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरुद्ध ताबडतोड़ कार्यवाही करते हुए अलग- अलग जगहों से एक महिला सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों के कब्जे से कुल 77 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त किया है। साथ ही कोटमीसोनार पुलिस द्वारा शराब बनाने में उपयोग करने का बर्तन भी बरामद किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर -चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिला पुलिस जांजगीर द्वारा अवैध शराब पर अंकुश लाने के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा आरोपी मनमोहन यादव उम्र 48 साल निवासी शिवरीनारायण के कब्जे से 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं महिला आरोपी कौशिल्या दिवाकर उम्र 45 साल निवासी तनौद थाना शिवरीनारायण के कब्जे से 40 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब पुलिस सहायता केन्द्र कोटमीसोनार पुलिस द्वारा आरोपी रामगोपाल केवट उम्र 47 साल निवासी बड़े अमेटी कोटामीसोनार के कब्जे से 30 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद कर आरोपियों के विरुद्ध अलग-अलग अपराध धारा आबकारी एक्ट धारा 34 (2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

हाउसिंग बोर्ड में गुरु मान्यो ग्रंथ चेतना समागम का आयोजन

भिलाई। छत्तीसगढ़ सिख पंचायत एवं यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में गुरुद्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी, हाउसिंग बोर्ड में भव्य रूप से गुरु मान्यो ग्रंथ चेतना समागम का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर संत बाबा रणजीत सिंह खालसा 'ढडरियांवाले' का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह जी विशेष रूप से सम्मिलित हुए। समागम के दौरान सिख समाज की सेवा के क्षेत्र में निरंतर

सक्रिय भूमिका निभाने हेतु यूथ सिख सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह , कोषाध्यक्ष मलकित सिंह एवं महासचिव जसवंत सिंह सैनी को संत बाबा रणजीत सिंह खालसा द्वारा सरोपाव भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंच से बाबा रणजीत सिंह खालसा 'ढडरियांवाले' ने यूथ सिख सेवा समिति द्वारा सिख समाज के उन लोगों की घर वापसी की अपील की पहल की सराहना की, जो विभिन्न कारणों से अन्य धर्म-पंथों में धर्मान्तरित हो चुके हैं। उन्होंने सिख समाज से इस विषय पर जागरूक होने, समाज को एकजुट रखने एवं गुरमत के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

साथ ही यह भी संदेश दिया गया कि यदि ऐसे परिवार या व्यक्ति पुन: सिख धर्म में घर वापसी करते हैं, तो यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई उन्हें सामाजिक, धार्मिक एवं मानवीय स्तर पर हर संभव सहयोग एवं सहायता प्रदान करेगी, ताकि वे सम्मानपूर्वक एवं सहज रूप से समाज से पुन: जुड़ सकें।

शराब के लिए पैसे नही मिलने पर लगाई थी घर में आग,आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। शराब पीने के लिए पैसे नही मिलने पर घर में आग लगाकर तोड़फोड़ करने और महिला के साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थीया ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि कि वह जांजगीर में अपनी लड़की के साथ रहती है की दिनांक 16.01.2026 को प्रार्थीया अपने निजी काम से जांजगीर मार्केट गई हुई थी इसकी लड़की घर पर अकेली थी उसी दौरान मोहनलाल राठौड़ अपने एक अन्य दोस्त अमित यादव के साथ प्रार्थीया के घर जाकर शराब पीने के लिए लगातार पैसे की मांग कर रहा था उसकी लड़की के द्वारा मना करने पर गाली- गलौज कर रहा था जिसे आसपास के लोगों के द्वारा समझा कर मौके से भगाया गया कुछ देर बाद पुन: दोनों आरोपी दोपहर करीबन एक बजे पीड़िता के घर के पास आकर घर को जलाने की नीयत से अपने साथ एक पानी बोतल में पेट्रोल लेकर आये और पेट्रोल को छिड़क कर घर पर आग लगा दिए जिससे पीड़िता का दरवाजा पूरी तरह जल गया जिसे आसपास के लोगों के द्वारा बुझाया गया तथा बार-बार मना करने के बावजूद भी दोनों आरोपियों के द्वारा पीड़िता के जले हुए दरवाजे को तोड़कर जबरन घर के अंदर घुस पर तोड़फोड़ कर गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी दिया गया पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में दोनों आरोपियों के विरुद्ध तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना तत्काल जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, सीएसी कोतवाली योगिता बाली खापर्डे को दिया गया जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त हुए आदेश के पालन में तत्काल एक टीम तैयार कर आरोपियों के सकुनत की ओर रवाना किया गया।

सुपेला संडे बाजार पर निगमक्कपुलिस का सख्त एक्शन, सड़क पर पसरा सामान जब्त

ट्रैफिक जाम और एम्बुलेंस की आवाजाही में बाधा बनने पर आयुक्त राजीव पाण्डेय स्वयं पहुंचे मैदान में

दुर्ग/भिलाई। दुर्ग-भिलाई के बहुचर्चित सुपेला संडे बाजार में एक बार फिर बेकाबू होती ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर नगर निगम भिलाई और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई की। रविवार सुबह 8 बजे से घड़ी चौक से गदा चौक तक नगर निगम की टीम ने दुकानों के सामने सड़क पर रखे गए सामान को जब्त किया और दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी कि भविष्य में सड़क पर पसरा लगाने पर और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान नगर निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय स्वयं मौके पर मौजूद रहे। उनके नेतृत्व में निगम का तोड़-फोड़ दस्ता सक्रिय रहा, वहीं

पुलिस प्रशासन की पूरी टीम सुरक्षा व्यवस्था संभालते हुए सख्ती से तैनात रही। बताया गया कि एक दिन पहले ही दोनों ओर दुकानों के सामने चूना मार्किंग कर सीमा तय की गई थी और दुकानदारों को उस सीमा के आगे न आने का स्पष्ट नोटिस भी दिया गया था। इसके बावजूद रविवार सुबह कई दुकानदारों ने फिर से सड़क तक दुकानें और पसरा फैला दिया, जिससे ट्रैफिक बाधित हुआ।

एम्बुलेंस तक फंस जाती है जाम में

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, संडे बाजार में सड़क तक पसरा लगने से मेडिकल इमरजेंसी के दौरान एम्बुलेंस को निकलने तक की जगह नहीं मिलती। बीते रविवार को भी ऐसी ही स्थिति सामने आई थी, जिसने प्रशासन को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

बार-बार की कार्रवाई, फिर भी नहीं मान रहे व्यापारी

नगर निगम इससे पहले भी कई बार संडे सुपेला बाजार को व्यवस्थित करने का प्रयास कर चुका है, लेकिन कुछ व्यापारी नियमों की अनदेखी करते हुए बार-बार सड़क तक कब्जा कर लेते हैं। अधिकारियों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो संडे बाजार को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने का निर्णय लिया जा सकता है।

प्रशासन का साफ संदेश

नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की यातायात व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी निरंतर और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

12 वर्षों से हरियाली की अलख जगा रहे 'वृक्ष मित्र' मुकेश पाण्डेय

अब तक 5 हजार से अधिक फ्लदारङ्कछायादार पौधों का रोपण, युवाओं के लिए बने पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

भिलाईनगर। भागदौड़ भरी जिंदगी, स्वार्थ और कंक्रीट के जंगल के बीच अगर कोई शख्स निस्वार्थ भाव से प्रकृति की सेवा में जुटा है, तो वह हैं भिलाई के 'वृक्ष मित्र' मुकेश पाण्डेय। बीते 12 वर्षों से लगातार पौधरोपण कर रहे मुकेश अब तक 5 हजार से अधिक फ्लदार और छायादार पेड़ लगा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश आज बड़े होकर फ्ल भी दे रहे हैं।

साल 2012 से शुरू हुआ यह हरित अभियान आज एक आंदोलन का रूप ले चुका है। मुकेश सिर्फ पेड़ लगाकर ही नहीं रुकते, बल्कि उनके संरक्षण और देखरेख की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यही वजह है कि लगाए गए पौधे आज पर्यावरण को नई सांस दे रहे हैं।

एक सीख ने बदल दी सोच, जन्म लिया हरियाली के जुनून ने

मुकेश बताते हैं कि जब वे करीब 23 वर्ष के थे, तब अपने मोहल्ले में क्रिकेट खेल रहे थे। उसी दौरान डी.पी. सोनी नामक एक बुजुर्ग वाहन में पौधे लेकर पहुंचे और पर्यावरण बचाने की बात कही।

बस उसी दिन सोच बदल गई और तभी तय कर लिया कि पेड़ लगाना है, प्रकृति को बचाना है, — मुकेश पाण्डेय

यहीं से शुरू हुआ उनका सफ्र, जो आज

हजारों पेड़ों की छांव में तब्दील हो चुका है।

इन प्रजातियों से हरी हुई धरती

मुकेश द्वारा लगाए गए पौधों में शामिल हैं— पीपल, शीशम, जामुन, आम, जाम, आंवला, गुलमोहर, कदम, इमली सहित अनेक प्रजातियां। ये पेड़ न सिर्फ पर्यावरण संतुलन बनाए रख रहे हैं, बल्कि स्थानीय लोगों को फ्ल और छाया भी प्रदान कर रहे हैं।

मुकेश अकेले नहीं हैं। उनके साथ पर्यावरण प्रेमियों की एक समर्पित टीम भी जुड़ी है, जिसमें डॉ. हर्षिता शुक्ला, भूतपूर्व सैनिक शैलेन्द्र, भूतपूर्व सैनिक विमल कुमार, राजू देवांगन, राजकुमार गुप्ता, पी. सुरेश, जी. राजू, अमित मिश्रा, भास्कर सहित अन्य साथी शामिल हैं। यह टीम समय-समय पर सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है।

वृक्ष मित्र पुरस्कार से मिला सम्मान

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मुकेश पाण्डेय को 5 जून 2023, विश्व पर्यावरण दिवस पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में 'वृक्ष मित्र पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सार्वजनिक स्थलों पर 1 हजार से अधिक पौधों के रोपण एवं संरक्षण के लिए प्रदान किया गया। आज जब पर्यावरण संरक्षण केवल नारों तक सिमटता जा रहा है, ऐसे समय में मुकेश पाण्डेय जैसे लोग उम्मीद की हरी किरण हैं। उनका जीवन यह साबित करता है कि अगर जज्बा सच्चा हो, तो अकेला व्यक्ति भी समाज और प्रकृति के लिए बड़ा बदलाव ला सकता है।'वृक्ष मित्र' मुकेश पाण्डेय न सिर्फ पेड़ लगा रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य संवार रहे हैं।

कोहका में राज्य स्तरीय दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

न्यू ब्राइट स्पोर्ट्स एसोसिएशन कोहका की पहल, खेल के साथ नशा मुक्ति का संदेश

भिलाई। नगर निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 12 कोहका में खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। आयोजन न्यू ब्राइट स्पोर्ट्स एसोसिएशन, कोहका के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसमें राज्यभर से आई टीमों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों को नशा मुक्ति का संकल्प भी दिलाया गया, जिससे खेल के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को मजबूती से जोड़ने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को नशे से दूर रखकर स्वस्थ समाज का निर्माण ही इस प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य है।

कार्यक्रम में स्नेहा मेडिकल के संचालक ईश्वरी वर्मा, भाजपा नेता व समाजसेवी तथा ष्ट.क्क ज्वैलर्स के संचालक कन्हैया लाल सोनी, नगर पालिका निगम भिलाई के सभापति गिरवर बंटी साहू एवं भाजपा नेता विजय साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि खेल युवाओं के चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम है और इस तरह के आयोजन क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

खेल के मैदान से ही अनुशासन, स्वास्थ्य और नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। प्रतियोगिता के दौरान रोमांचक मुकाबलों के साथ खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

दुर्ग-भिलाई चरोदा रिसाली नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से 10 सूत्र मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग भिलाई चरोदा रिसाली नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया,दुर्ग भिलाई से ज्ञापन सौंपने वाले पदाधिकारी में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के संयोजक विष्णु चंद्राकर,भारतीय स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय मंत्री संजय मिश्रा , प्रदेश महामंत्री अनिल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष रामअवतार साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल सिन्हा, प्रदेश मंत्री दुर्गेश गुप्ता।

आज स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के आव्हान पर आंदोलन के द्वितीय चरण में नगरीय निकाय में व्याप्त कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

शासन के घोषणा के अनुसार कार्यरतु दैनिक वेतन कर्मचारियों को नियनित किया जावे। ठेका प्रथा के तहत् हो रहे पैसे का दुरुपयोग पर रोक लगाते हुए तेयो पर कार्यरत कर्मचारियों को निकाय में संभागयोजन करते हुए नियमित किया जायें। निकाय में कार्यरत् ठोस अपशिष्ट प्रथांन को तात् स्वच्छता दीदी एवं स्वच्छत्ता कमाण्यों वाहन चालक को कलेक्टर दर पर भुगतान किया जायें।

भविष्य निधि आयुक्त का निर्देश का पालन कराते हुए निकायों से स्वच्छता दीदीयों का भविष्य निधि काटा जाकर आते में जमा कराने एवं लाभ देने हेतु निकायों को निर्देशित करने का कष्ट करें। मध्यप्रदेश की भाति छ0ग0 नगरीय निकायों को प्रतिव्यक्ति 105/-रू0 की घर से चुंगी क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किया जायें। नगरीय निकायों में कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु रवाई व्यवस्था किया जावें, एवं निर्धारित तिथि पर भुगतान किया जावें।

नगरीय निकायों में अन्य विभाग की भांति शीघ्र ही ओल्ड पेंशन योजना लागू किया जाने

नगरीय निकाय के कार्मचारियों को छठयों/ सातवाँ वेतनमान की एरियर्स राशि भुगतान की स्वीकृति किया जाये। नगरीय निकाय के कर्मचारियों को स0 6.00 लाख तक के ईलाज हेतु कैशलेश की सुविधा प्रदान किया जाये।

नगरीय निकाय के अधिकारियो/कर्मचारियों के लिए नवीन सेटअप स्वीकृत कर पदोन्नति का लाभ दिया जावे। नगरीय निकायों में कार्यरत थाटा एंट्री ऑपरेटर, लाईनमैन, वाहन चालक, पंप अटेडेन्ट, राफ्ई दरोगा, सफ्ई कामगार एंव प्लंबर के कर्मचारियों को पदोन्नति हेतु चैनल निर्धारण कर नवीन पद स्वीकृत किया जाये ताकि पदोन्नत का लाभ मिल सके।

केन्द्रीय कर्मचारियों को समान आठवों वेतनमान का लाभ मगरीय निकाय के कर्मचारियों को उसी तारीख से दिया जायें। नगरीय निकाय के पेंशनरों को शासकीय सेवको के समान पेंशन एवं डी0ए0 का लाभ नहीं दिया जा रहा है। उसी तारीख से पेंशन एवं डीए का लाभ दिया जाये।

एनसीसी में कार्यरत स्वच्छता दीदी स्वच्छता कमाण्डो एवं ड्रायवर लोगो का कभी भी उनको निकालने के लिए या ट्रान्सफ्र करने के लिए निर्देश दे दिया जाता है जो कि स्वच्छता दीदीयों के साथ अन्याय है. इनको निकालने का जो निर्देश दिया जाता है बंद किया जाये अन्यथा आंदोलनात्मक कदम उठाया जायेगा। नगरीय निकाय कर्मचारियों के खाया जाभारित उपस्थिति प्रणाली को निरस्त किया जाये।

नगर निगम भिलाई अध्यक्ष मोहंती, प्रदेश उपाध्यक्ष रामवृक्ष यादव, नगर निगम दुर्ग के कार्यवाहक अध्यक्ष ईश्वर वर्मा, उपाध्यक्ष शशि यादव , सफ्ई कर्मचारी संघ अध्यक्ष धर्म नागेश, रवि सोनी, भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष मिथिलेश विश्वकर्मा, जिला मंत्री हरिशंकर चतुर्वेदी, वरिष्ठ नागरिक मंच अध्यक्ष नलनिश मिश्रा,निर्माणी संघ अध्यक्ष देवेन्द्र चंद्राकर सहित कंप्यूटर आपरेटर, प्लेसमेंट एवं एमसीसी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित थे.इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा पुरुषोत्तम साहू दामिनी सुमन गुप्ता पूजा ताम्रकार विजय राजपूत सानू कोठारी लता वर्मा गंगाधर ठाकरे अनिल करिहार गुमान निर्मलकर यह भी उपस्थित थे।

26 जनवरी को आएगी नई डस्टर, मारुति-टोयोटा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी भी कतार में

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के लिए साल 2026 की शुरुआत बेहद धमाकेदार रही है। जनवरी के पहले पखवाड़े में ही महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ, टाटा पंच फेसलिफ्ट और न्यू जनरेशन किआ सेल्टोस जैसी गाड़ियां सड़कों पर उतर चुकी हैं, लेकिन नए लॉन्च का सिलसिला अभी थमा नहीं है। इस महीने के बचे हुए दिनों में कई और बड़ी गाड़ियां भारतीय बाजार में दस्तक देने वाली हैं, जो कॉम्पैक्ट एसयूवी से लेकर इलेक्ट्रिक सेगमेंट तक में हलचल मचाएंगी।

गणतंत्र दिवस पर रिलॉन्च होगी रेनो डस्टर

महीने की सबसे चर्चित लॉन्चिंग में से एक रेनो डस्टर की वापसी है। कंपनी 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के मौके पर अपनी इस आइकॉनिक एसयूवी को नए अवतार में पेश करने जा रही है। सामने आई तस्वीरों के मुताबिक, इसका डिजाइन इंटरनेशनल मॉडल से काफी अलग और आक्रामक होगा। इसके इंटीरियर में 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जर, ऑल-डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे आधुनिक फीचर्स मिलने की उम्मीद है, जो इसे सीधे तौर पर क्रेटा और सेल्टोस के मुकाबले में खड़ा करेगी।

निसान और मारुति की बड़ी तैयारी

डस्टर से ठीक पहले, 21 जनवरी को निसान अपनी नई कॉम्पैक्ट एमपीवी 'ग्रेवाइट' लॉन्च करेगी। रेनो ट्राइबर पर आधारित यह कार 10 लाख रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट में ब्रांड को मजबूती देगी, जिसमें 8-इंच टचस्क्रीन और 6 एयरबैग्स जैसे फीचर्स होंगे। वहीं, मारुति सुजुकी जनवरी के अंत तक अपनी पहली मास-मार्केट इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' लॉन्च करके इतिहास रचने जा रही है। 543 किलोमीटर की रेंज का दावा करने वाली यह ईवी टाटा कर्व और हुंडई क्रेटा ईवी को कड़ी टक्कर देगी।

मारुति की ई-विटारा पर ही आधारित टोयोटा की 'अर्बन क्रूजर ईवी' भी जनवरी के आखिर तक लॉन्च होने वाली है, हालांकि इसका डिजाइन टोयोटा की अपनी स्टाइलिंग पर होगा। इसके अलावा, फॉक्सवैगन अपनी फ्लैगशिप 7-सीटर एसयूवी 'टायरॉन आर-लाइन' को भी इसी महीने बाजार में उतारेगी। यह टिगुआन के ऊपर प्लेस की जाएगी और इसमें 15-इंच का डिस्प्ले, मसाज फंक्शन वाली सीटें और पैनोरमिक सनरूफ जैसे लग्जरी फीचर्स मिलेंगे।

स्कोडा कुशाक का नया अवतार

स्कोडा भी पीछे नहीं है और वह जनवरी के अंत तक अपनी लोकप्रिय एसयूवी कुशाक का पहला बड़ा फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करने जा रही है। इसमें नया डैशबोर्ड लेआउट, 360-डिग्री कैमरा और पैनोरमिक सनरूफ के साथ-साथ कुछ एडीएएस फीचर्स भी शामिल किए जा सकते हैं, जो इसे तकनीकी रूप से और मजबूत बनाएंगे।

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में किसानों के लिए उपलब्ध कराए रिकॉर्ड 834.64 लाख टन उर्वरक

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में देश में उर्वरकों की जरूरत लगभग 152.50 करोड़ बोरी (722.04 लाख टन) आंकी गई थी, जिसके मुकाबले सरकार ने करीब 176.79 करोड़ बोरी (834.64 लाख टन) उर्वरक उपलब्ध कराए। सरकार ने कहा कि किसानों की खेती से जुड़ी जरूरतों को समय पर पूरा करने के लिए 2024-25 में रिकॉर्ड मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने कहा कि यह अतिरिक्त उपलब्धता किसानों की मदद करने और देशभर में खेती का काम बिना रुकावट चलाने के लिए सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाती है।

सरकार के मुताबिक, यह सफलता रेलवे, बंदरगाह प्राधिकरण, राज्य सरकारों और उर्वरक कंपनियों के आपसी तालमेल से संभव हो पाई।

सरकारी बयान में कहा गया कि भारतीय रेलवे ने उर्वरक ढुलाई को प्राथमिकता दी, जिससे उर्वरक तेजी से एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सके। वहीं, बंदरगाहों पर आयात किए गए उर्वरकों को जल्दी उतारा गया और आगे भेजने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही सरकार ने भंडारण और वितरण व्यवस्था को मजबूत किया, ताकि उर्वरक सही समय पर किसानों तक पहुंच सकें। सरकार ने उर्वरक कंपनियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कीं, मांग और आपूर्ति पर लगातार नजर रखी और जहां भी समस्या आई, उसे तुरंत दूर किया।

इन पहले से की गई तैयारियों की वजह से देश के किसी भी हिस्से में उर्वरकों की कमी नहीं हुई। सरकार के अनुसार, इसी निरंतर और मिलकर किए गए प्रयासों से पूरे देश में 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड उर्वरक उपलब्धता हासिल हुई। इसी बीच, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा सर्दी के मौसम में रबी फसलों की बुवाई का क्षेत्रफल बढ़कर 644.29 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल इसी समय 626.64 लाख हेक्टेयर था। इस तरह रबी फसलों की बुवाई में 17.65 लाख हेक्टेयर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ने से फसल उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और खाद्य महंगाई को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी। आंकड़ों के अनुसार, दलहनी फसलों का क्षेत्र 3.74 लाख हेक्टेयर बढ़ा है, जबकि चना की बुवाई में 4.66 लाख हेक्टेयर की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मेंस हॉकी इंडिया लीग 2025-26 : घरेलू चरण का शानदार समापन

रांची। मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में रांची शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने घरेलू चरण का समापन लगातार तीसरी जीत के साथ किया. शुक्रवार को मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रांची रॉयल्स ने छ्वस्ङ्ख सूरमा हॉकी क्लब को 4-1 से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया.

रांची रॉयल्स की जीत में टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई और दो गोल दागे. उन्होंने 20वें और 22वें मिनट में गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई. इसके अलावा मनमीत सिंह राय ने 14वें मिनट में खाता खोला, जबकि मंदीप सिंह ने 47वें मिनट में चौथा गोल कर जीत पक्की कर दी. जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की ओर से जीतपाल ने 52वें मिनट में एकमात्र गोल किया. मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमें आक्रामक रुख अपनाए हुए थी. शुरुआती पांच मिनट के भीतर ही जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन रांची रॉयल्स के गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव करते हुए टीम को बढ़त से दूर रखा. पहले क्वार्टर में सूरमा को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे किसी भी मौके को भुना नहीं सके. पहले 15 मिनट में दोनों टीमों के आठ-आठ सर्कल एंट्री रहे, बावजूद इसके खेल के विपरीत रांची रॉयल्स ने 14वें मिनट में बढ़त बना ली. सैम लेन के रिबाउंड को मनमीत सिंह राय ने गोल में तब्दील कर टीम को आगे कर दिया.

पहला गोल होने के बाद रांची रॉयल्स का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने पासिंग के जरिए सूरमा की डिफेंस पर दबाव बनाना शुरू किया. इसका नतीजा 20वें मिनट में देखने को मिला, जब लाचलान शार्प के शॉट के बाद मिले मौके पर टॉम बून ने नजदीक से गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी. इसके ठीक दो मिनट बाद टॉम बून ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया. पहले हाफ के अंत तक रांची रॉयल्स मुकाबले पर पूरी तरह हावी नजर आई.

दूसरे हाफ में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने वापसी की कोशिश की। एक मौके पर उनका शॉट गोल लाइन से बाहर निकाल दिया गया. जिससे रांची रॉयल्स की तीन गोल की बढ़त बरकरार रही. तीसरे क्वार्टर में मेजबान टीम ने खेल की रफ्तार को नियंत्रित करते हुए कुछ और मौके भी बनाए.

चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही रांची रॉयल्स ने मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया. अराइजित सिंह हुंडाल के शानदार पास पर मंदीप सिंह ने गोलकीपर को छकाते हुए 47वें मिनट में चौथा गोल दागा. इसके बाद भी जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने प्रयास जारी रखे और 52वें मिनट में जीतपाल ने गोल कर अंतर कम किया, लेकिन यह गोल सिर्फ सांत्वना साबित हुआ.

रांची रॉयल्स ने 4-1 की जीत के साथ अपने घरेलू चरण का शानदार समापन किया और मेंस हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की.

वंदे भारत स्लीपर : रेल यात्रियों को सफर में नया एहसास, वर्ल्ड क्लास तकनीक और सुविधाओं के आप भी हो जाएंगे फैन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे पिछले 11 साल से यात्रियों की सुविधा को सुगम, सुरक्षित और तेज बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। भारतीय रेलवे ने इस दौरान अपनी यात्रा में कई नए अध्याय जोड़े हैं।

पिछले कुछ सालों में रेलवे ने रेलगाड़ियों की गति, उसके इंफ्रास्ट्रक्चर और साथ ही रेल डिब्बों और इंजन के विकास के साथ कैसे रेलवे की यात्रा यात्रियों के लिए सुखद, सुविधाजनक और समय बचाने वाली हो, इसको लेकर प्रयास किए हैं। रेलवे ने इस विकास यात्रा में कई हाई स्पीड और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को पटरी पर उतारा है, जिनमें हमसफर, वंदे भारत और साथ ही अमृत भारत जैसी ट्रेनें हैं, जो समय के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से या तो शुरू की जा चुकी हैं या इनकी शुरुआत की जा रही है।

अब रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई रूटों पर नई स्लीपर वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया है। अभी तक वंदे भारत ट्रेनें केवल बैठकर यात्रा करने के लिए डिजाइन की गई थीं। लेकिन, अब लंबी दूरी के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए और उनकी यात्रा को सुखद और सुविधाजनक बनाने के लिए स्लीपर वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों के परिचालन का फैसला रेलवे ने लिया है। इस स्लीपर वंदे भारत ट्रेन के परिचालन और इसकी स्पीड की वजह से लंबी दूरी की यात्राओं में यात्रियों का 3 घंटे से ज्यादा का समय बचेगा और साथ ही यात्रियों की यात्रा पहले के मुकाबले ज्यादा आरामदायक और लग्जरी होगी।

देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को पीएम नरेंद्र मोदी 17 जनवरी को हरी झंडी दिखाएंगे और 18 जनवरी को हावड़ा से कामख्या के लिए इस ट्रेन की नियमित सेवा शुरू हो जाएगी। इसमें स्लीपर के साथ एसी1, एसी2 और एसी3 कोच भी शामिल होंगे। इस ट्रेन के इंटीरियर को जहां भारतीय संस्कृति से प्रेरित होकर डिजाइन किया गया है, वहीं यात्रियों की सुरक्षा के लिए इसमें 'कवच' ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम, इमरजेंसी टॉक-बैक यूनिट और बेहतर सैनिटेशन के लिए कीटाणुनाशक तकनीक (डिसइंफेक्टेंट टेक्नोलॉजी) का इस्तेमाल किया गया है। यानी यात्रियों की सुरक्षित यात्रा के लिए इस ट्रेन में ड्राइवर के केबिन में भी एडवांस कंट्रोल और सुरक्षा सिस्टम लगे होंगे।

ट्रेन का बाहरी लुक भी एरोडायनामिक होगा, यानी यह हवा को चीरता हुआ आगे बढ़ेगा। इसके बाहरी दरवाजे भी ऑटोमेटिक तरीके से खुलेंगे और बंद होंगे। बेहतर सैनिटेशन के लिए कीटाणुनाशक तकनीक (डिसइंफेक्टेंट टेक्नोलॉजी) के इस्तेमाल की वजह से वंदे भारत स्लीपर में साथ बैठे यात्री को सर्दी-जुकाम है तो साथी यात्री को कोई टेंशन लेने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि अब नई तकनीक से वायरस की छुट्टी होगी। रेल मंत्रालय से अब जो जानकारी निकलकर सामने आई है, उसकी मानें तो इसके कोच में यूवीसी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे हवा में वायरस डिसइंफेक्टेंट हो जाएंगे। यानी यह उपकरण हवा को खींचेगा और फिर उसे फ्रेश करके दोबारा कोच में छोड़ देगा। वैसे इस लग्जरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की गति की बात करें तो इसकी अधिकतम गति सीमा 180 किमी/घंटा होगी, जबकि नियमित सेवा में यह 130 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी।

इस स्लीपर ट्रेन में यात्रियों को कई प्रीमियम सुविधाएं मिलेंगी। यात्रियों को इसमें हाई क्वालिटी वाले कंबल कवर और एडवांस्ड बेडरोल यात्रा के दौरान दिए जाएंगे। इसके साथ ही इस ट्रेन में यात्रियों को कैटरिंग की सर्विस भी दी जाएगी। इसके साथ ही यह भी जानकारी है कि इस ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को आईआरसीटीसी की तरफ से 1 लीटर रेल नीर बोतल के साथ एक अखबार भी मिलेगा, जिसके लिए अलग से कोई चार्ज नहीं किया जाएगा।

इंडिया ओपन 2026 : लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में हारे, भारत का अभियान खत्म

नई दिल्ली। इंडिया ओपन 2026 में भारती अभियान को उस समय बड़ा झटका लगा, जब भारत की आखिरी उम्मीद लक्ष्य सेन शुक्रवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पुरुष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में तीन गेम में हारकर बाहर हो गए.

पीवी सिंधु, किदांबी श्रीकांत और एच.एस प्रणॉय के शुरुआती राउंड में बाहर होने के बाद इस इवेंट में भारत की एकमात्र उम्मीद लक्ष्य सेन ही थे, लेकिन वो भी चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 12 लिन चुन-यी से क्वार्टर फाइनल में हार गए. बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद सेन एक घंटे 8 मिनट तक चले मैच में 21-17, 13-21 और 18-21 से हार का सामना करना पड़ा.

शुक्रवार 16 जनवरी को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में, लक्ष्य सेन आखिर तक लिन चुन-यी के साथ बराबरी पर थे, लेकिन आखिरी पलों में पिछड़ गए और तीन गेम में हार गए. सेन ने लिन के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन फिर लगातार दो गेम पुरुष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में हार गए.

मैच के बाद लक्ष्य ने कहा, यह एक करीबी मैच था, तीसरा सेट ज्यादा दबाव वाला गेम था. वह आज हालात के हिसाब से अच्छा खेल रहा था. मैं आज हवा के लिए तैयार नहीं था. कल इतनी हवा नहीं थी. उसने हालात को बेहतर तरीके से अपनाया. उन्होंने आगे कहा, मैं नेट पर शटल उठाने में लड़खड़ा रहा था और आगे से कई गलतियां की. क्वार्टर फाइनल में जाने से पहले, हेड-टू-हेड में सेन लिन से 0-4 से पीछे थे, और यह साफ था कि भारतीय खिलाड़ी को तेज बाएं हाथ के खिलाड़ी के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा. अब पहले सेमीफाइनल में लिन चुन-यी का मुकाबला कनाडा के 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट विक्टर लाई से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-18, 17-21, 21-15 से हराया, और दूसरे सेमीफाइनल में, सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू का मुकाबला इंडोनेशिया के तीसरे वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी से होगा.

टी20 स्क्वाड में तिलक-सुंदर के रिप्लेसमेंट का हुआ ऐलान, इन दो खिलाड़ियों की खुली किस्मत

नईदिल्ली। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया ने टी20 स्क्वाड में तिलक वर्मा और वॉशिंगटन सुंदर के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया. न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है. जहां बिश्नोई चोटिल ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह आएंगे, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में बल्लेबाज करते समय साइड स्ट्रेन की वजह से तकलीफ में थे. वहीं अय्यर बाएं हाथ के बैट्समैन तिलक वर्मा की वजह से पहले तीन मैचों में होंगे, जो पेट के निचले हिस्से की सर्जरी से उबर रहे हैं.

बिश्नोई लगभग एक साल बाद टीम में वापसी कर रहे हैं. उन्होंने आखिरी बार फरवरी 2025 में मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच में भारत के लिए खेला था. बिश्नोई ने अब तक 42 टी20 इंटरनेशनल में 7.35 की इकॉनमी रेट से 61 विकेट लिए हैं.

वहीं अय्यर दो साल बाद टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं. उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल खेला था. अय्यर ने अब तक कुल 51 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 30.66 की औसत और 136.12 के स्ट्राइक-रेट से 1104 रन बनाए हैं.

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से शुरू होगी. भारत और न्यूजीलैंड की ये सीरीज 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले दोनों टीमों का आखिरी इंटरनेशनल असाइनमेंट है.

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20 मैच), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई.

एप्पल पर लटकी 3 लाख करोड़ के जुर्माने की तलवार, सीसीआई ने दी अंतिम चेतावनी

नई दिल्ली। अमेरिकी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल की मुश्किलें भारत में कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग ने कंपनी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए 'फाइनल वॉर्निंग' जारी कर दी है। मामला एंटीट्रस्ट नियमों (प्रतिस्पर्द्धा विरोधी नीतियों) के उल्लंघन और बाजार में अपने दबदबे के दुरुपयोग से जुड़ा है। आयोग ने साफ कर दिया है कि अगर एप्पल ने उनके नोटिस का तत्काल जवाब नहीं दिया, तो उस पर ऐतिहासिक जुर्माना लगाया जा सकता है। यह जुर्माना राशि 38 बिलियन डॉलर यानी करीब 3 लाख करोड़ रुपये तक हो सकती है। सीसीआई ने एप्पल को स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जवाब देने के लिए अब और अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। यदि कंपनी अगले हफ्ते तक आयोग को अपना स्पष्टीकरण नहीं सौंपती है, तो उस पर ग्लोबल टर्नओवर के आधार पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह मामला अक्टूबर 2024 से लंबित है, जब सीसीआई ने जांच पूरी होने के बाद एप्पल से जवाब तलब किया था। एक साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी आईफोन निर्माता कंपनी की ओर से कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया न मिलने पर आयोग ने यह सख्त कदम उठाया है।

एप्पल और सीसीआई के बीच यह टकराव 2022 से चल रहा है। कई भारतीय स्टार्टअप्स और ऐप डेवलपर्स ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एप्पल अपने आईओएस (द्बह्रस्) ऐप स्टोर पर एकाधिकार (स्नह्रठ्ठश्चश्चश्द्य4) जमा रहा है। आरोप है कि एप्पल ने ऐसे नियम बनाए हैं जो डेवलपर्स के हितों को नुकसान पहुंचाते हैं। कंपनी डेवलपर्स से ऐप पर होने वाली कमाई का 15 से 30 प्रतिशत तक कमीशन वसूलती है। इसके अलावा, डेवलपर्स को अपने ऐप में बाहरी पेमेंट लिंक या वैकल्पिक भुगतान के तरीके जोड़ने की अनुमति नहीं दी जाती, जिससे उनके पास आईफोन यूजर्स तक पहुंचने और कमाई करने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता। 2024 में पूरी हुई जांच में सीसीआई ने भी माना था कि एप्पल अपनी डोमिनेंट पोजीशन का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

ग्लोबल टर्नओवर पर जुर्माने का पेंच

इस मामले में सबसे बड़ा पेंच जुर्माने की गणना को लेकर फंसा है। सीसीआई नए नियमों के तहत एप्पल पर 'ग्लोबल टर्नओवर' (वैश्विक कमाई) के आधार पर जुर्माना लगाने की तैयारी में है, जो कि करीब 3 लाख करोड़ रुपये बनता है। वहीं, एप्पल ने इस नियम को चुनौती दी है। कंपनी का तर्क है कि जुर्माना केवल उसी कमाई (बिज़नेस) के आधार पर तय होना चाहिए जो उसने भारत में अर्जित की है, न कि पूरी दुनिया की कमाई पर। एप्पल ने सीसीआई की कार्यवाही और ग्लोबल टर्नओवर के नियम के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और मामले को रोकने की कोशिश की थी।

पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है।

सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

द ब्लफ से पहले बर्फी से लेकर मैरी कॉम तक, इन फिल्मों में प्रियंका चोपड़ा ने निभाए दमदार किरदार

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह एक अलग किरदार में नजर आएंगी, जहां वह अपने परिवार की रक्षा करती हुई नजर आएंगी। ऐसे में हम आपको प्रियंका चोपड़ा के उन किरदारों से मिलवा रहे हैं जिनके लिए उनकी काफी तारीफ हुई है।

द स्काई इस पिंक

द स्काई इस पिंक (2019) में प्रियंका चोपड़ा ने अदिति चौधरी नाम की एक मां का किरदार निभाया। इसमें वह खुश, दुखी और बहादुर दिखी हैं। फिल्म में वह अपनी बेटी के साथ सुखी और दुखी दोनों हुई हैं। उनकी दिल को छू लेने वाली अदाकारी की वजह से यह फिल्म उनकी सबसे भावुक फिल्मों में से एक बन गई है।

बाजीराव मस्तानी

बाजीराव मस्तानी (2015) में प्रियंका चोपड़ा ने काशीबाई नाम की महिला का किरदार निभाया। प्रियंका का यह किरदार गरिमा और सम्मान से भरा था। वह अपने प्यार को खोने का दुख चुपचाप सह रही थी। फिल्म में उन्होंने ऐसा अभिनय किया कि सिर्फ चेहरे के हाव-भाव से गहरा दुख जताया। फिल्म की कहानी में उनकी अदाकारी का बड़ा योगदान है।

मैरी कॉम

फिल्म मैरी कॉम (2014) में प्रियंका चोपड़ा ने बॉक्सर मैरी कॉम का किरदार निभाया है। इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने अपने अंदर कई बदलाव किए थे। उन्होंने जो किरदार निभाया वह एक एथलीट की मजबूती, लगन और मानसिक ताकत को दिखाती थी। इस किरदार को निभाते हुए उन्होंने एक मां और एक पत्नी का भी किरदार बखूबी निभाया।

बर्फी

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म बर्फी में प्रियंका चोपड़ा ने झिलमिल नाम की लड़की का किरदार निभाया। इसमें दिखाया गया है कि प्रियंका ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित होती हैं। इसमें उन्होंने शांत लेकिन दमदार अदाकारी की है। इसमें उन्होंने बिना बोले रणबीर कपूर से प्यार जताया है। दर्शकों को उनके हाव-भाव और चेहरे के एक्सप्रेशन पसंद आए।

फैशन

फिल्म फैशन (2008) में प्रियंका चोपड़ा ने मेघना माथुर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया जो किसी भी कीमत पर फैशन की दुनिया में एक सफल मॉडल बनना चाहती हैं। वह चमक-धमक की दुनिया में आकर अपना रास्ता भटक जाती है। फिल्म में उनके काम की खूब तारीफ हुई।

आठवीं बार डायरेक्शन की तैयारी में करण जौहर

बालीबुड के मशहा डायरेक्टर कराया जौहर एक बार फिर लीवुड के मशहूर डायरेक्टर करण जौहर एक बार फिर डायरेक्टोरियल फिल्म एक ग्रैंड स्केल फैमिली ड्रामा होगी, जो 2001 की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के स्पेस में बनेगी। नए साल की शुरुआत में ही करण ने इसकी स्क्रिप्ट लॉक कर ली है। बताया जा रहा है कि यह धर्मा प्रोडक्शंस की थिएट्रिकल रिलीज के लिए सबसे बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद फैमिली ड्रामा में वापसी कर रहे हैं। यह उनकी अब तक की सबसे भव्य फिल्म होगी, जिसमें हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ रोमांस और इमोशनल कोर मजबूत रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक... साल 2026 के मध्य में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा और 2026 के अंत तक फिल्म फ्लोर पर जाएगी। फिल्म के टाइटल को लेकर भी खासी चर्चा है। फिल्म का टाइटल कभी खुशी कभी गम 2 हो सकती है। करण ने अपने डायरेक्टोरियल सफर की शुरुआत फिल्म कुछ कुछ होता है से की थी। अब तक वो कभी खुशी कभी गम, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, ऐ ऐ दिल है मुश्किल और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन कर चुके हैं।

'तान्हाजी' का सेकेंड पार्ट बनाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की साल 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' को रिलीज हुए आज छह साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने एक पोस्ट साझा की है। अब अजय की इस पोस्ट ने लोगों में ये उत्सुकता जगा दी है कि क्या 'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट भी आ रहा है? क्या अजय देवगन एक बार फिर किसी मराठा योद्धा की कहानी को लेकर आने वाले हैं? अजय देवगन ने 'तान्हाजी' के छह साल पूरे होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अजय ने फिल्म के अलग-अलग सीन के ऑयल पेंटिंग वाले पोस्टर साझा किए हैं। इनमें अजय के साथ काजोल, सैफ अली खान और शरद केलकर के भी पोस्टर नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही अजय देवगन के कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा है। अजय ने मराठी में कैप्शन लिखा, जिसका अर्थ है 'किला तो आ गया लेकिन शेर चला गया।' इसके साथ ही अजय ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन कहानी अभी पूरी नहीं हुई।' अजय के इस कैप्शन के बाद ही फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कयास लगने लगे हैं।

साल 2020 में रिलीज हुई 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन भी ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

बोमन ईरानी ने शुरू की खोसला का घोंसला 2 की शूटिंग

साल 2006 में रिलीज हुई अनुपम खेर की फिल्म 'खोसला का घोंसला' का सीक्वल की तैयारी शुरू हो चुकी है। हाल ही में इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग पर फिल्म की स्टार कास्ट नजर आई। बोमन ईरानी ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। साथ ही फिल्म से जुड़ा एक अपडेट भी शेयर किया है।

बोमन ईरानी ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

बोमन ईरानी ने मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म 'खोसला का घोंसला' फिल्म का डायलॉग शेयर किया। यह उनके किरदार का कहा हुआ पॉपुलर डायलॉग है। जिसमें वह कहते हैं, 'आप पार्टी कर रहे हैं या ब्रोकर।' आगे अपनी पोस्ट में बोमन ईरानी लिखते हैं, 'खोसला का घोंसला 2 के सेट पर कमल खोसला और बंटी के साथ किशन खुराना के रूप में वापसी।'

अनुपम खेर ने भी शेयर की शूटिंग की बीटीएस पिक्चर्स

बोमन ईरानी से पहले अनुपम खेर ने फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' की शूटिंग से जुड़ी बीटीएस फोटो शेयर की थीं। इन फोटोज में रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और परवीन डब्बास और तारा शर्मा नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर ने बीटीएस फोटो शेयर करते हुए एक कैपशन भी लिखा, 'खोसला लौट आए हैं। मैं लगभग चार दशक से फिल्मों का हिस्सा रहा हूं लेकिन कभी भी मैंने किसी फिल्म के लिए इतना पागलपन नहीं देखा, जैसा खोसला का घोंसला के पार्ट 2 के लिए देखा है।'

अनुपम खेर की 550वीं फिल्म होगी 'खोसला का घोंसला'

कुछ दिन पहले जब फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' के बनने की बात अनुपम खेर ने शेयर की थी तो बताया था कि यह उनकी 550 वीं फिल्म है। फिल्म खोसला का घोंसला की बात करें तो इस दिबाकर बैनर्जी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी में एक खोसला परिवार होता है, जिसको एक जमीन कब्जा करने वालों के बीच फंस जाते हैं। कैसे वह अपनी जमीन वापस हासिल करते हैं, इस कहानी को बड़े ही मजेदार और कॉमिक ढंग से दिखाया गया था।

राजू हिरानी की स्क्रिप्ट में इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं होती

झ्रस्टाइल के बंटू बनकर हंसी गुदगुदाने वाले, तो कभी 3 इडियट्स के राजू रस्तोगी बनकर दर्शकों की आंखें नम करने वाले शरमन जोशी एक सशक्त अभिनेता हैं। इस बातचीत में शरमन ने अपने करियर से जुड़े किस्से साझा किए।

स्टाइल कैसे बनी थी?

उस दौर में इस तरह की यूथफुल कॉमेडी फिल्में बहुत कम बनती थीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय निर्देशक एन. चंद्रा साहब को जाता है। उस समय वे अपने करियर के शिखर पर थे और उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी थी। हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि हमें उनके साथ काम करने का मौका मिला, क्योंकि वे अंकुश और प्रतिघात जैसी गंभीर फिल्मों के लिए जाने जाते थे। वहां से कॉलेज कॉमेडी की ओर मुड़ना उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। उन्होंने हमें बाकायदा एक महीने की ट्रेनिंग दी थी। हम रोज उनके ऑफिस जाते थे और थिएटर प्ले की तैयारी की तरह अभ्यास करते थे।

आज भी 3 इडियट्स का जादू वैसा ही बरकरार है, आप इसे कैसे देखते हैं?

क्या ही कहें! आज भी जब लोग मुझसे मिलते हैं, तो कहते हैं कि उन्होंने यह फिल्म 20-20 बार देखी है। अभी मैं भूटान में हूं और यहां मेरे सामने बैठी एक बेहद शर्मीली लड़की ने बताया कि उसने यह फिल्म 20 बार देखी है। लोग जब मिलते हैं, तो ऐसी बातें करते हैं मानो उन्होंने कल ही यह फिल्म देखी हो। इस फिल्म का असर लोगों पर बहुत गहरा है और आज भी जो प्यार मुझे मिलता है, उसे देखकर लगता ही नहीं कि 16 साल बीत चुके हैं।

क्या राजू के किरदार के लिए अपनी तरफ से कुछ क्रिएटिव इनपुट दिए थे?

अरे नहीं-नहीं, मेरी इतनी हिम्मत कहां! राजू हिरानी सर की स्क्रिप्ट को लेकर इतनी जबरदस्त स्पष्टता थी कि किसी भी तरह के इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं थी। उन्होंने हर चीज इतनी बारीकी से सोची थी कि हमें बस उसे निभाना था। हां, एक छोटा-सा किस्सा है, जब मैं राजू सर के साथ थोड़ा कंफर्टेबल हो गया, तब फिल्म के अंत में जब मिलीमीटर सालों बाद मिलता है, रिहर्सल के दौरान मैंने कहा... सर, यह तो अब सेंटीमीटर बन गया है।

क्या थिएटर आपकी फिल्मी परफॉर्मेंस में भी मदद करता है?

बिल्कुल ! मेरा मानना है कि जैसे गायक रियाज करते हैं, वैसे ही एक्टर्स के लिए थिएटर एक तरह का रियाज है। मैंने यह महसूस किया है कि जब मैं कोई प्ले कर रहा होता हूं और उसी दौरान फिल्म के सेट पर जाता हूं, तो मेरी टाइमिंग और सेंस कहीं ज्यादा बेहतर हो जाते हैं। चाहे वह कॉमेडी सीन हो या ड्रामा, थिएटर से मिलने वाली वह अलर्टनेस हर जगह काम आती है। फिल्मों या ओटीटी में आपके पास रीटेक का विकल्प होता है। अगर शॉट ठीक नहीं हुआ, तो उसे दोबारा किया जा सकता है, इसलिए आप थोड़ा रिलैक्स मोड में रहते हैं। लेकिन थिएटर में गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। वहां आप हर समय अलर्ट रहते हैं।

चंद्रिका बाई राजपूत का पार्थिव शरीर चिकित्सा अध्ययन हेतु समर्पित मृत्यु के बाद भी अमर हुईं

मानवता की सेवा में देहदान

75 वर्षीय चंद्रिका बाई, 'प्रनाम' की पहल से मेडिकल छात्रों को मिला ज्ञान का उपहार चंद्रिका राजपूत ने पेश की मिसाल, मरणोपरांत देहदान कर समाज को दिया 'परम वैभव' का संदेश

दुर्ग। शरीर नश्वर है, लेकिन मानवता अमर है। इसी ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए दुर्ग के राजीव नगर, बजरंग चौक निवासी 75 वर्षीय श्रीमती चंद्रिका बाई राजपूत का मरणोपरांत देहदान संपन्न हुआ। उनके पार्थिव शरीर को चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई कर रहे छात्रों के अध्ययन हेतु अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, जुनवानी (भिलाई) को सौंपा गया। यह पुनीत कार्य संस्था प्रनाम के माध्यम से परिजनों की सहमति से संपन्न हुआ। स्व. चंद्रिका बाई राजपूत ने दिसंबर, 2017 को प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के पश्चात् देहदान की वसीयत जारी की थी। उनके निधन के तत्काल बाद परिजनों ने उनकी इस अंतिम इच्छा का सम्मान किया और 'प्रनाम' संस्था के अध्यक्ष श्री पवन केसवानी को सूचित किया। सूचना मिलते ही संस्था द्वारा देहदान की सभी आवश्यक कागजी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करवाई गईं। नम आंखों से दी गई विदाई देहदान से पूर्व निवास स्थान पर एक संक्षिप्त श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया! जहाँ उपस्थित जनों ने उनके देहदान के समर्पण भाव को याद कर उन्हें नमन किया गया।

इस अवसर पर देहदान प्रक्रिया में देहदान की पुत्री संध्या राजपूत सहित पवन केसवानी, पवन गुप्ता, अजय होरीलाल राजपूत, प्रगति राजपूत, प्रदीप राजपूत, मीरा राजपूत, लकी राजपूत, प्रीतम राजपूत, धनंजय सिंह राजपूत, भगवान सिंह राजपूत, मालिक राम राजपूत, मनहरण सिंह राजपूत, विक्की राजपूत, बंटी राजपूत और बीजू राजपूत विशेष रूप से उपस्थित रहे और अपनी सहभागिता प्रदान की। 'प्रनाम' की अनूठी मानव सेवा: 256वां देहदान उल्लेखनीय है कि संस्था 'प्रनाम' वर्ष 2008 से लगातार देहदान और नेत्रदान के क्षेत्र में अलख जगा रही है। संस्था के अध्यक्ष पवन केसवानी ने बताया कि अब तक 2168 प्रबुद्धजनों को देहदान हेतु प्रेरित कर वसीयत भरवाई जा चुकी है। वहीं, स्व. चंद्रिका बाई राजपूत का देहदान संस्था के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों को समर्पित किया गया 256वां देहदान है। यह शरीर मेडिकल छात्रों को मानव शरीर की संरचना समझने और भविष्य के डॉक्टर बनने में मदद करेगा।

संक्षिप्त-खबर

जुनवानी में बार लायसेंस दिए जाने की चर्चा, जनदर्शन में शिकायत पर विधायक ने लिखा आबकारी सचिव को पत्र

भिलाई नगर। जनदर्शन में जुनवानी मार्ग पर रानी अवंती बाई सरोवर के समीप बार (टीडीएस शाखा) न खोले जाने की शिकायत लेकर पहुंचे लोगों को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने आश्वस्त करते हुए आबकारी सचिव को पत्र लिखा है। आपको बता दें कि जिस स्थान पर बार खुलने की चर्चा और शिकायत आई है वहां बैंक, स्कूल, मंदिर के साथ ही सघन आबादी क्षेत्र भी है।

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जुनवानी में रानी अवंती बाई सरोवर के समीप के रहवासियों ने जनदर्शन में विधायक श्री सेन को बताया कि स्थानीय काम्प्लेक्स में बार खोले जाने की जानकारी मिली है जिस पर लोगों की सख्त आपत्ति है। इसी काम्प्लेक्स के ग्राउन्ड फ्लोर में बैंक है, जुनवानी मार्ग में हजारो की संख्या में प्रतिदिन लोगों का आवागमन रहता है। अवंती बाई सरोवर के आस पास धार्मिक, शैक्षणिक संस्थान व सघन आबादी है। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक इस स्थान पर बार खोलने लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया है। यहां बार खुलने से देर रात तक आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहने की आशंका है, जिससे आस-पास में अपराध बढ़ सकता है। शिकायत पर तत्काल पहल करते हुए विधायक श्री सेन ने आबकारी विभाग सचिव से चर्चा कर उन्हें पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए जुनवानी मार्ग स्थित रानी अवंती बाई सरोवर के समीप स्थित काम्प्लेक्स में बार (टीडीएस ब्रांच) का लाइसेंस न दिया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति पर निगम कमिश्नर की समीक्षा बैठक, कार्य में तेजी के निर्देश

दुर्ग। नगर निगम कमिश्नर सुमित कुमार अग्रवाल द्वारा आज प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत संचालित क्क्ष्ट एवं ।।क्क घटकों में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति की समीक्षा की गई। कमिश्नर ने प्रत्येक एजेंसी की कार्यप्रगति का बारीकी से आकलन करते हुए निर्देशित किया कि माह के अंत तक प्रगति में सुधार लाते हुए योजना के अनुरूप कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डेली फॉलो-अप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सरस्वती नगर फ्लैट परियोजना के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र शिफ्ट किया जा सके।

कैलाश नगर, दुर्ग में गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने का मामला, पीड़ितों ने अरुण वोरा से लगाई गुहार

दुर्ग। कैलाश नगर, दुर्ग में विप्रन संघ को-ऑपरेटिव सोसायटी के समीप रहने वाले गरीब परिवारों के दो मकानों को तोड़े जाने का मामला सामने आया है। इन मकानों को लोगों ने करीब 4-4 लाख रुपये की अपनी जीवनभर की जमा पूंजी से बनवाया था। मकान टूटने के बाद अब ये परिवार बेघर हो चुके हैं और किराए के मकानों में रहने को मजबूर हैं।

इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को लेकर पीड़ित महिलाएं एवं परिवार वरिष्ठ नेता अरुण वोरा के पास पहुँचे और अपनी पीड़ा उनके समक्ष रखी। पीड़ितों ने बताया कि वे वर्षों तक किराए के मकानों में रहकर, थोड़ी-थोड़ी बचत कर अपने सपनों का आशियाना बना पाए थे, जिसे अब तोड़ दिया गया।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अरुण वोरा ने कहा— हम सवारते और बसाते हैं, उजाड़ते नहीं। गरीबों के आशियानों को इस तरह तोड़ा जाना अमानवीय है।

अरुण वोरा ने इस विषय को लेकर जिला कलेक्टर से भी बातचीत की और उनसे आग्रह किया कि इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेकर प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए ऐसे परिवारों के पुनर्वास एवं उचित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए।

दुनिया के सबसे विराट रामायण मंदिर में स्थापित होगा विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग

कैथवलिया (पूर्वी चंपारण) में सहस्त्र लिंगम स्थापना की पीठ पूजा, मुख्यमंत्री की मौजूदगी में बना ऐतिहासिक क्षण

विशेष रिपोर्ट

पूर्वी चंपारण। सनातन आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक गौरव का अभूतपूर्व दृश्य उस समय देखने को मिला, जब पूर्वी चंपारण के कैथवलिया स्थित विश्व के सबसे विराट रामायण मंदिर में विश्व के सबसे विशाल शिवलिंग (सहस्त्र लिंगम) की स्थापना के लिए पीठ पूजा संपन्न हुई।

इस ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान में माननीय मुख्यमंत्री सहित समस्त बिहार की जनता की सहभागिता ने आयोजन को जनआस्था का महाकुंभ बना दिया। वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न यह पूजा न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश के लिए सनातन परंपरा का गौरवपूर्ण अध्याय बन गई।

विराट रामायण मंदिर में सहस्त्र लिंगम की स्थापना को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। यह आयोजन आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक एकता का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है।

विराट रामायण मंदिर में सहस्त्र लिंगम की स्थापना सनातन संस्कृति की विश्वस्तरीय पहचान बनेगी।

धार्मिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह मंदिर और सहस्त्र लिंगम की स्थापना भारत को वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगी, वहीं पूर्वी चंपारण को एक अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में नई पहचान दिलाएगी।

कल्याण लॉ कॉलेज प्रकरण: करीब 1000 छात्रों के भविष्य पर संकट, वकालत के दरवाजे बंद होने का खतरा

भिलाईनगर/नई दिल्ली। कल्याण लॉ कॉलेज, भिलाईनगर से शैक्षणिक सत्र 2011-12 से 2025-26 तक कानून की डिग्री प्राप्त करने वाले करीब 1000 छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा जारी निर्देश के बाद इन छात्रों के अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर ताला लगने की स्थिति बन गई है।

बीसीआई ने स्पष्ट किया है कि संबंधित कॉलेज ने बिना वैधानिक अनुमति के वर्षों तक अवैध प्रवेश लिए, जिसके चलते वहां से उत्तीर्ण छात्रों को किसी भी राज्य बार काउंसिल में नामांकित नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही पहले से नामांकित अधिवक्ताओं के नाम भी रोल से हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्रों में हड़कंप, सालों की मेहनत पर संकट

इस फैसले के बाद कानून की पढ़ाई कर चुके सैकड़ों युवाओं के सामने रोजगार और करियर का गहरा संकट खड़ा हो गया है, कई छात्र वर्षों से वकालत की तैयारी कर रहे थे, तो कई अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस भी शुरू कर चुके थे। छात्रों का कहना है कि कॉलेज की मान्यता को लेकर कभी कोई स्पष्ट सूचना नहीं दी गई, अब अचानक हमारा पूरा भविष्य दांव पर लगा दिया गया है। शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल इस पूरे प्रकरण ने उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित निगरानी एजेंसियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते स्थिति स्पष्ट नहीं की गई, तो करीब 1000 युवाओं का भविष्य कानूनी उलझनों में फंस सकता है।

सरकार और प्रशासन से उम्मीद प्रभावित छात्रों और अभिभावकों ने राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि— छात्रों के हित में विशेष समाधान निकाला जाए, वैकल्पिक व्यवस्था या स्थानांतरण पर विचार किया जाए, और दोषी संस्थान प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई हो। गलती संस्थान की, सजा छात्रों को?

यह सवाल अब पूरे क्षेत्र में गूंजने लगा है।

खेत में मिली महिला की सड़ी-गली लाश

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई कुम्हारी थानाक्षेत्र में एक महिला की सड़ी-गली लाश मिली है। महिला की पहचान नही हो पाई है किंतु पुलिस ने महिला की हत्या की आशंका व्यक्त की है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को कुम्हारी थानाक्षेत्र के ग्राम परसदा कैवल्यधाम के पीछे खेत में ग्रामीणों ने एक महिला की सड़ी-गली अवस्था में लाश देखी और तत्काल इसकी सूचना कुम्हारी थाने में दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इसी दौरान पुलिस ने मृतका की पहचान करवाने का प्रयास किया किंतु उसकी पहचान नही हो पाई। बताया जाता है कि महिला 40 से 45 साल की है। पुलिस के अनुसार शव 6 से 7 दिन पुराना होने के कारण पूरी तरह सड़ गया था। मामले में पुलिस ने आशंका व्यक्ति की है कि महिला को कहीं और मारकर उक्त स्थान में लाकर फेंका गया हो। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

रिसाली निगम में सफाई पर संकट, कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

टेंडर खत्म, नया आदेश अधर मेंज महापौर निवास पर सैकड़ों सफाई कर्मियों का हंगामा

दुर्ग। रिसाली नगर निगम में सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक लापरवाही शुक्रवार को खुलकर सामने आ गई, जब सैकड़ों सफाई कर्मचारी महापौर शशि सिन्हा के निवास पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। मामला 15 जनवरी 2026 को समाप्त हुए सफाई टेंडर और नए टेंडर की प्रक्रिया में हुई देरी से जुड़ा है, जिसने कर्मचारियों की रोज़ी-रोटी पर सीधा सवाल खड़ा कर दिया।

टेंडर अवधि समाप्त होने के बाद ठेकेदार द्वारा काम बंद करने की सूचना जारी होते ही सफाई कर्मचारी असमंजस में पड़ गए। दैनिक मजदूरी पर निर्भर इन कर्मचारियों के सामने भूख और बेरोज़गारी का संकट खड़ा हो गया, वहीं शहर की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी।

मौखिक आदेश, लिखित पत्र नहींज यहीं फंसा मामला

दरअसल, महापौर शशि सिन्हा ने गुरुवार रात मौखिक रूप से सफाई टेंडर को दो माह बढ़ाने का निर्णय लिया था, लेकिन यह निर्णय न तो लिखित रूप में ठेकेदार तक पहुंचा और न ही कर्मचारियों को इसकी जानकारी मिली।

इसी प्रशासनिक भ्रम का नतीजा यह रहा कि शुक्रवार सुबह सफाई कर्मचारी बड़ी संख्या में महापौर निवास पहुंच गए।

महापौर ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकारते हुए कहा कि टेंडर से संबंधित औपचारिक पत्राचार नगर निगम अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के चलते समय पर प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

तत्काल राहत : दो महीने के लिए बढ़ा टेंडर

बढ़ते आक्रोश और सफाई व्यवस्था ठप होने की आशंका को देखते हुए महापौर ने तत्काल प्रभाव से सफाई टेंडर को दो महीने के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया। इसके बाद कर्मचारियों को अस्थायी राहत मिली और काम दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हुआ।

पुल कोट

शहर की सफाई मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी हालत में सफाई व्यवस्था ठप नहीं होने दी जाएगी। कर्मचारियों की रोज़ी-रोटी हमारे लिए बेहद अहम है।

शशि सिन्हा, महापौर, रिसाली नगर निगम

ठेकेदार का आरोप : दो महीने से चल रहा था पत्राचार

सफाई ठेकेदार जहीर खान ने बताया कि वे पिछले दो महीनों से लगातार टेंडर बढ़ाने को लेकर निगम से पत्राचार कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर निर्णय न होने के कारण ही यह पूरा विवाद खड़ा हुआ।

अब दो महीने के लिए टेंडर बढ़ने से कर्मचारियों को राहत मिली है और शहर की सफाई व्यवस्था बिना रुकावट चलती रहेगी।

सवाल जो उठते हैं

क्या नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही से कर्मचारियों का भविष्य दांव पर लगा? मौखिक आदेश के भरोसे क्यों छोड़ी गई शहर की सफाई व्यवस्था?

यदि हंगामा न होता, तो क्या फैसला आता?

रिसाली नगर निगम की यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रशासनिक सुस्ती का खामियाजा सबसे पहले मेहनतकश कर्मचारियों और आम जनता को भुगतना पड़ता है।

91 लाख की सड़क डामरीकरण कार्य का महापौर ने किया शुभारंभ

महापौर अल्का बाघमार ने सभापति संग बस स्टैंड में डामरीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

दुर्ग। शहर के व्यस्ततम बस स्टैंड परिसर में नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। महापौर अल्का बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर एवं वार्ड पार्षद बबिता गुड्डू यादव,एमआईसी शशि साहू, कुलेश्वर साहू, सावित्री दमाहे की उपस्थिति में 91 लाख रुपये की लागत से होने वाले सड़क डामरीकरण निर्माण कार्य का पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि बस स्टैंड क्षेत्र में सड़क जर्जर हो चुकी थी, जिससे यात्रियों, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पार्षद एवं नागरिकों की मांग को ध्यान में रखते हुए यह डामरीकरण कार्य स्वीकृत किया गया है, जिससे आने वाले समय में आवागमन सुगम होगा और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। सड़क, नाली, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता के साथ विकसित किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम के दौरान महापौर ने बकायादारों से अपील करते हुए कहा कि नगर निगम के विकास कार्यों में सहयोग करें और समय पर टैक्स का भुगतान करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकाया कर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी, जबकि समय पर भुगतान करने वालों को निगम की योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

मनरेगा बचाओ संग्राम की भरेंगांव से सुरगी तक कांग्रेस की पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मजदूरों की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने पर तुली केंद्र सरकार - दीपक बैज

रायपुर। कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत शनिवार को राजनांदगांव ब्लाक के ग्राम भरेंगांव से पदयात्रा की शुरुआत की गई। इस जन आंदोलन की अगुवाई प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने की। भरेंगांव से शुरू हुई यह पदयात्रा मोखला, आरला, बुची भरदा, कोटराभाटा होते हुए लगभग सात किलोमीटर का सफर तय कर सुरगी पहुंची। मार्ग में जगह-जगह ग्रामीणों ने पदयात्रा का स्वागत कर जन आंदोलन में शामिल होते चले । पदयात्रा में भाजपा सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ नारे गूंजते रहे।

पदयात्रा के सुरगी में आयोजित विशाल जनसभा में हजारों की संख्या में ग्रामीण, श्रमिक और मनरेगा हितग्राही शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर मनरेगा को समाप्त करने का गंभीर आरोप लगाया। मोदी सरकार की नीतियां सीधे तौर पर मजदूर विरोधी हैं और मनरेगा को समाप्त करना इसी का हिस्सा है। मनरेगा बंद होने का मतलब है, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला है। यह योजना सिर्फ एक सरकारी स्कीम नहीं, बल्कि करोड़ों गरीब परिवारों के जीवन का सहारा है। विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को धीरे-धीरे खत्म करने का ताना बाना पहले से बना चुकी थी। मनरेगा कानून था काम की गारंटी थी, जिसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती थी। नए प्रावधानों के तहत इसे 60:40 के अनुपात में बांट दिया गया है, यानी राज्यों पर सीधा वित्तीय बोझ डाल दिया गया है। छ.ग. सरकार के पास तो काम होने के बाद भुगतान का पैसा नहीं तो रोजगार कहां प्रारंभ करवा पाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अब केंद्र सरकार तभी राशि जारी करेगी, जब राज्य पहले 50 प्रतिशत मैचिंग ग्रांट जमा करें। जबकि देश के अधिकांश राज्यों की वित्तीय स्थिति किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में साफ है कि यह व्यवस्था जानबूझकर मनरेगा को असफल बनाने के लिए लाई गई है। जैसे-जैसे राज्यों पर बजट का दबाव बढ़ेगा, वैसे-वैसे मनरेगा को बंद करने की मजबूरी पैदा की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह महात्मा गांधी के विचारों को मिटाने और देश के मजदूरों से काम का अधिकार छीनने की सोची-समझी साजिश है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा को खत्म करने की इस साजिश के खिलाफ मजदूरों के हक की लड़ाई पूरी ताकत से कांग्रेस लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने छत्तीसगढ़ सरकार को धान खरीदी के मामले में भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसानों को पहले खाद के लिए, फिर पंजीयन के लिए अब धान टोकन के लिए परेशान रही है यहां तक किसानों को चोर साबित कर रही है और जिस प्रकार से प्रदेश के 14 मुसवाओ ने पहले कवर्धा में 7 करोड़ का फिर महासमुंद में 6 करोड़ का फिर बस्तर में धान को खाने का काम किया है ऐसे मुसवाओ को बंद करने के लिए कांग्रेस जल्द ही पिंजरे में बंद करेगी। राज्य सरकार को आप लोगों ने 2 साल देख लिए हैं जिसमें चार बार बिजली की दर बढ़ाकर महंगाई की मार दी है वही 1000 महतारी वंदन के नाम पर 3000 बिजली बिल देकर जनता को लूटने का काम कर रही है। छ.ग. में कानून व्यवस्था की बदहाली के चलते गांव गांव में शराब बेचने और नकली दवाई बिक रही है। सभा को विधायक दलेश्वर साहू, भोलाराम साहू, हर्षिता स्वामी बघेल, गिरीश देवांगन, विपिन यादव एवं जितेंद्र ने संबोधित किया।

डॉक्टर जीएस चौहान नहीं रहे

भिलाई। इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित पंडित जवाहरलाल लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र सेक्टर 09 के वरिष्ठ चिकित्सक , क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के वरिष्ठ आजीवन सदस्य डॉ. जी. एस. चौहान (निवासी: 48/4, नेहरू नगर, पश्चिम) का 80 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। उनका अंतिम संस्काररराम नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे प्रशांत चौहान (पुत्र), पूजा (पुत्री) एवं समस्त चौहान परिवार को छोड़कर गए।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवाकर 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छग)-490023 से प्रकाशित। संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।